MPEDA

समाचार पत्र

खंड. VII, संख्या. 7, अक्तूबर 2019

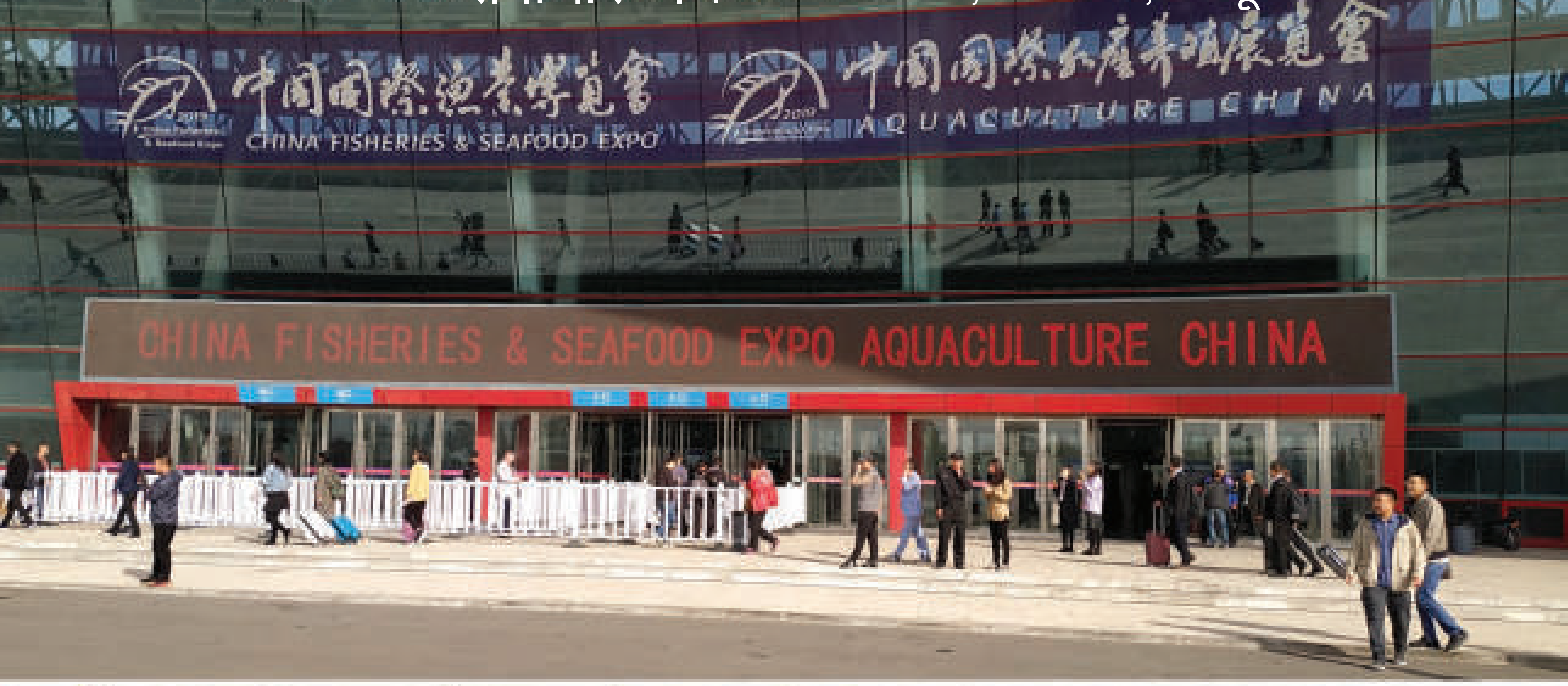

ISSN 0245-7059

www.mpeda.gov.in

CPF

CPF-TURBO PROGRAM

The shrimp industry has seen major developments and tasted success over the years, And not only are we proud to be part of it, but also take pride in pioneering it. To ensure the success and profitability of the Indian Shrimp Industry, our highly determined team with committed Aquaculture specialists constantly provide the shrimp farmers with access to the latest and updated technology.

CPF-TURBO PROGRAM -
Pioneering Successful and Profitable Shrimp Aquaculture

समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण
THE MARINE PRODUCTS EXPORT DEVELOPMENT AUTHORITY - INDIA - भारत

एम.पी.ई.डी.ए

खंड. VII, संख्या. 7, अक्तूबर 2019

समाचार पत्रिका

विषय सूची

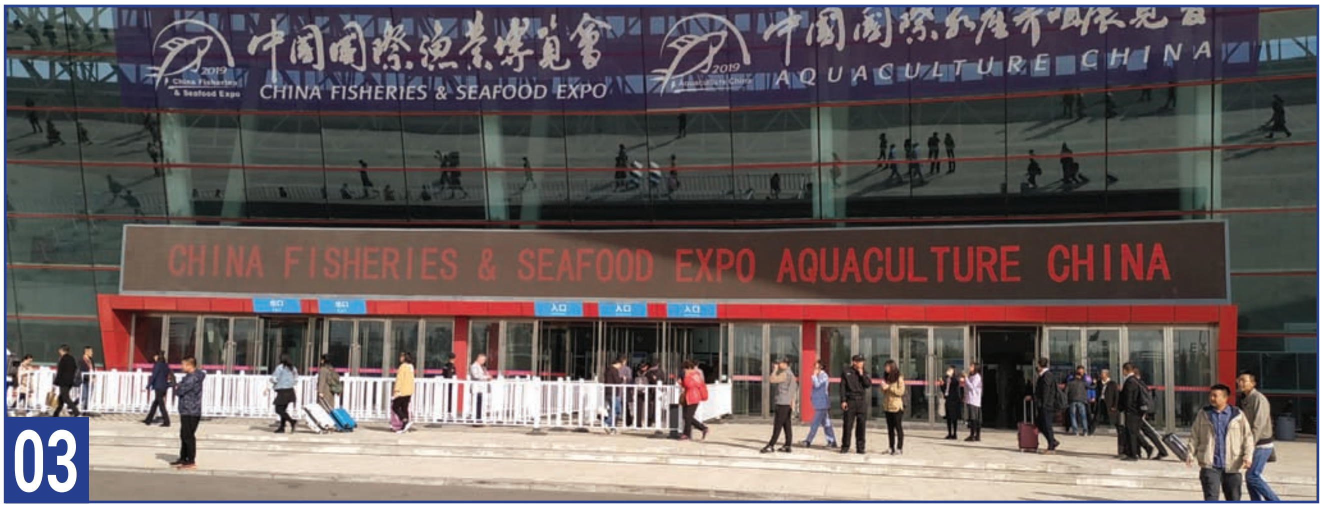

03
एमपीईडीए के नेतृत्व में व्यापार प्रतिनिधिमंडल का चीन दौरा

21
कोच्चि बंदरगाह पर सीफूड इंडिया सिग्नेचर स्टॉल खोला एमपीईडीए ने

28
नेटफिश-एमपीईडीए का 'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2019'

33
समुद्री मछली के नियंत्रक अधिनियम पर कार्यशाला

35
'गोवा में समुद्री मछली प्रबंधन की बेहतरी' के लिए राज्य स्तरीय कार्यशाला

38
विविधीकृत जलीयकृषि पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

40
श्रिम्प और झींगे की पर्यावरण-रक्षित खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस प्रकाशन के विद्वत्तापूर्ण लेखों में व्यक्त विचार एमपीईडीए के विचार नहीं है, यह सिर्फ लेखक के विचार हैं।
इस प्रकाशन के विद्वत्तापूर्ण लेखों के जानकारी की सटीकता की ज़िम्मेदारी लेखकों पर निहित हैं,
यह न ही एमपीईडीए और न ही संपादकीय गण की ज़िम्मेदारी है।

एम.पी.ई.डी.ए

खंड. VII, संख्या. 7, अक्तूबर 2019 समाचार पत्रिका

संपादक मंडल

श्री टी. डोला शंकर, आईओएफ़एस
निदेशक (वि.)

श्री बी. श्रीकुमार
सचिव

श्री पी. अनिल कुमार
संयुक्त निदेशक (अक्वा)

श्री के.वी. प्रेमदेव
उप निदेशक (विपणन संवर्धन)

डॉ. टी.आर. जिबिन कुमार
उप निदेशक (एमपीईडीए रत्नागिरी)

संपादक
श्री डॉ. एम.के. राम मोहन
संयुक्त निदेशक (वि.)

सह संपादक
श्रीमती के.एम. दिव्या मोहनन
वरिष्ठ लिपिक

संपादकीय सहयोग
बिवर्ल्ड कॉर्पोरेट सोल्युशंस लिमिटेड
166, जवहर नगर, कड़वन्त्रा,
कोच्ची, केरल, भारत- 682 020
फोन: 0484 2206666, 2205544
www.bworld.in, life@bworld.in

लेआउट
रोबी अंबाड़ी

www.mpeda.gov.in
support@mpeda.gov.in

समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण की ओर से श्री बी श्रीकुमार, सचिव द्वारा मुद्रित और प्रकाशित
(वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार)
एमपीईडीए हाउस, पनम्पिल्ली एवेन्यू,
कोच्ची-682 036, फोन: +91 484 2311979

द्वारा प्रकाशित
एमपीईडीए हाउस,
पनम्पिल्ली एवेन्यू,
कोच्ची-682 036

प्रिंट एक्सप्रेस
44/1469 ए, अशोका रोड,
कलूर, कोच्ची - 682 017 में मुद्रित

के.एस. श्रीनिवास आईएएस
अध्यक्ष

प्रिय दोस्तों,

इधर मौसम में बदलाव के कारण मछुआरों का समुद्र में जाना कम हो रहा है। यह स्थिति समुद्री खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के लिए अनिश्चितता भरी है क्योंकि उनकी अधिकांश प्रसंस्करण और निर्यात संबंधी जरूरतें समुद्र में मछली पकड़ने के क्रियाकलाप पर निर्भर हैं। यद्यपि कुछ इकाइयां पश्चिमी तट में होने वाली श्रिम्प की खेती पर आश्रित हैं लेकिन यह सामग्री हर किसी की जरूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। यह भी देखा गया है कि हाल के वर्षों में हमने तटीय राज्यों में मत्स्य चारा विनिर्माण इकाइयों के लिए ढेर सारी मत्स्य सामग्री उपलब्ध कराई है। जलीय कृषि क्षेत्र में उछाल से भी चारा संयंत्रों के प्रसार को बल मिला है क्योंकि ये दोनों क्षेत्र एक-दूसरे के पूरक हैं। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि उतारा जाने वाला लगभग हर अपशिष्ट मत्स्य खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की दिशा में राह ढूंढ़ता है। वैश्विक मत्स्यर चारा उत्पादन का लगभग 43 प्रतिशत और मछली के तेल का 85 प्रतिशत उपयोग जलीय कृषि क्षेत्र में ही होता है। मत्स्य चारे का उपयोग यौगिक खाद्य पदार्थों के रूप में कुक्कुट व सूअर पालन तथा पालतू जानवरों आदि के लिए भी किया जाता है। विश्व में मत्स्य चारा अमूमन पूर्ण मछली से बनाया जाता है और इसके लिए मुख्यतः पेलाजिक प्रजाति का उपयोग किया जाता है। एमपीईडीए के अंतर्गत लगभग 41 चारा इकाइयां पंजीकृत हैं जिनकी उत्पादन क्षमता औसतन 2,663.50 टन प्रतिदिन है। इन इकाइयों की औसत वार्षिक उत्पादन क्षमता 5,32,600 टन आंकी गई है। भारत में उत्पादित मत्स्य चारे की खपत हालांकि घरेलू स्तर पर ही हो जाती है, लेकिन मध्य पूर्व, जापान, दक्षिण पूर्व एशिया, बांग्लादेश और कनाडा आदि देशों में हम निर्यात भी करते हैं। वर्ष 2018-19 के दौरान भारत से लगभग 78,000 मीट्रिक टन चारा और मछली तेल का निर्यात किया गया।

'सीएमएफआरआई' ने चारे के लिए उपयोग की जाने वाली मछलियों के लैंडिंग डेटा का जो आकलन किया है, उससे स्पष्ट होता है कि सार्डिन मछली की लैंडिंग गिरावट पर है। 'ऑयल सार्डिन' और 'लैसर सार्डिन' जो कभी भारत के प्रमुख संसाधन थे, उनमें लगातार गिरावट देखी गई। इसका प्रमुख कारण है, चारे के लिए इनका अत्यधिक और अनाप-शनाप दोहन। सार्डिन की कमी का असर अब कई अन्य मछलियां पर भी पड़ने लगा है जो अवयस्क अथवा अविकसित अवस्था में ही पकड़ ली जाती हैं। यह एक खतरनाक स्थिति है क्योंकि औद्योगिक प्रयोजन के लिए इस प्रकार की छेड़छाड़ तटीय इलाकों में बसी कमजोर आबादी के प्रोटीन स्रोत को उनसे छीन लेगी। एमपीईडीए को इस संबंध में कदम उठाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से अनुरोध प्राप्त हो रहे थे। लिहाजा हमने इस संपदा के संरक्षण के लिए कुछ करने की ठानी है। प्राधिकरण ने अपनी पिछली बैठक में 1 जनवरी, 2020 से नई चारा यूनिटों और मछली तेल इकाइयों की स्थापना पर रोक लगाने का निर्णय लिया है। साथ ही, मौजूदा इकाइयों की उत्पादन क्षमता के विस्तार पर भी अंकुश लगाया जाएगा। इस दिशा में पहले से जारी अभियानों और वित्तीय सहायता योजनाओं से इतर एमपीईडीए के इन नए कदमों से अवयस्क मछलियों के शिकार को नियंत्रित करने और मत्स्य संसाधनों के चिर-स्थायित्व के प्रयासों को निश्चित ही प्रोत्साहन मिलेगा। एमपीईडीए ने इसी माह कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के घरेलू उड़ानों वाले परिसर में अपना दूसरा 'सीफूड सिग्नेचर स्टॉल' भी खोला है।

धन्यवाद।

प्रत्याख्यान : पाठकों से अनुरोध किया जाता है कि वे इस पत्रिका में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले उसकी सत्यता के बारे में स्वयं को संतुष्ट करने केलिए उपयुक्त जांच और सत्यापन करें। समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण, इस पत्रिका के प्रकाशक और मालिक, किसी भी विज्ञापन या विज्ञापनदाता या किसी भी विज्ञापनदाता के उत्पादों और/या सेवाओं का जिम्मा नहीं लेंगे। किसी भी सूरत में इसमें विज्ञापन केलिए इस पत्रिका/संगठन के मालिक, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक, निदेशक/कर्मचारी, किसी भी तरीके से जिम्मेदार/उत्तरदायी नहीं हो सकते।

एमपीईडीए बाहरी इंटरनेट साइटों की सामग्री केलिए जिम्मेदार नहीं है।

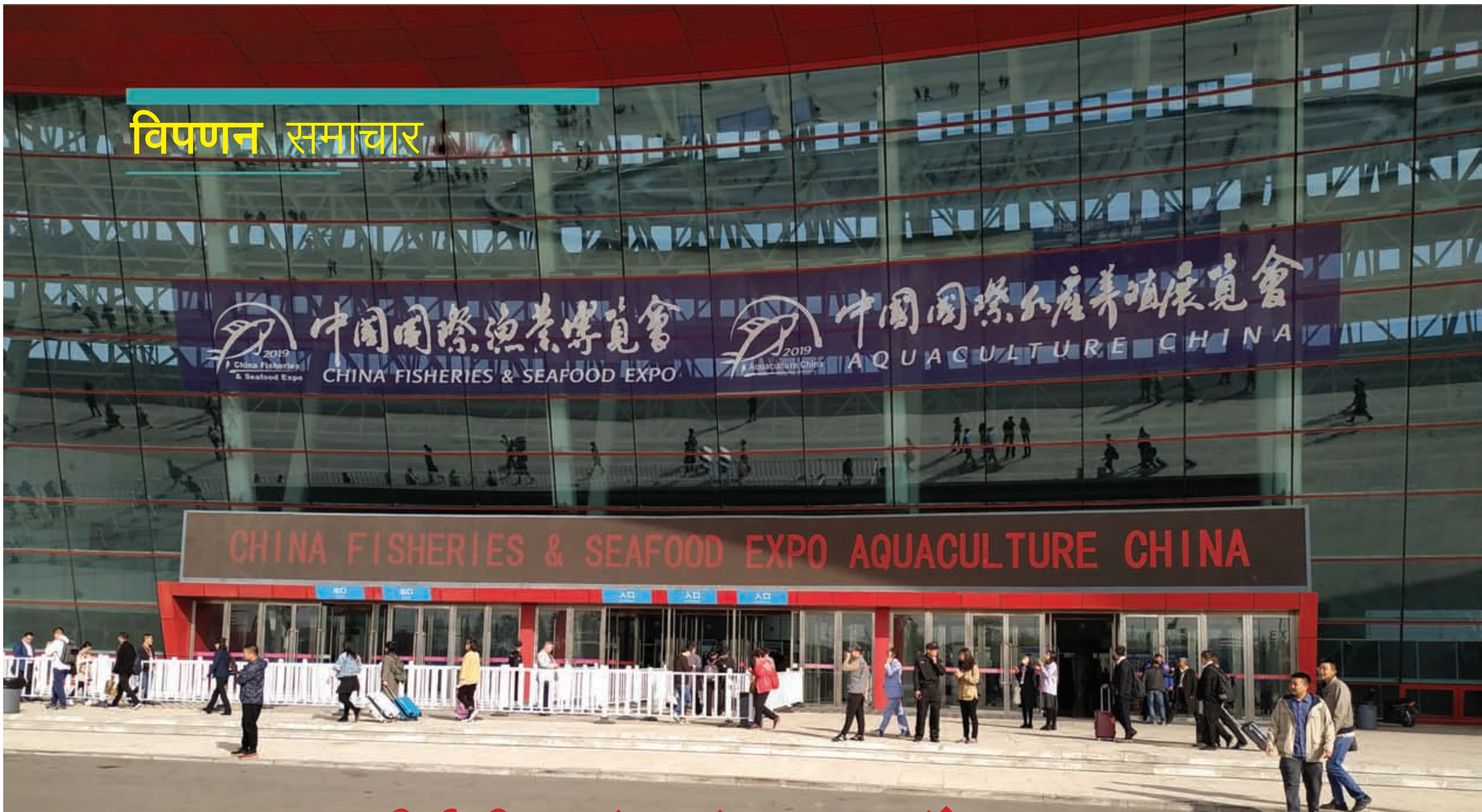

एमपीईडीए के नेतृत्व में व्यापार प्रतिनिधिमंडल का चीन दौरा

चीन कई सालों से विश्व का शीर्ष मछली उत्पादक देश रहा है। साल 2018 में चीन ने 11.92 अरब डॉलर मूल्य की मछली और मत्स्य उत्पादों का आयात किया। उसके शीर्ष आपूर्तिकर्ताओं में रूस, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और नॉर्वे प्रमुख थे। चीनी फ्रोजन श्रिम्प का खूब आयात करता है। साल 2018 में चीन के कुल आयातित मूल्य में लगभग 11 प्रतिशत भागीदारी अकेले श्रिम्प की थी। रूस समुद्री भोजन का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है और बाजार मूल्य का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा उसे प्राप्त होता है। उसके उत्पादों में प्रमुख रूप से लाइव, फ्रेश व चील्ड रॉक लॉबस्टर शामिल है। रूस के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया की गिनती भी समुद्री क्रॉफिश और लाइव फ्रेश व चील्ड क्रैब के प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में की जाती है।

साल 2018 में चीन दुनिया में मछली और मत्स्य उत्पादों का सबसे बड़ा निर्यातक था जिसका निर्यात मूल्य 21.55 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। चीन प्रमुख रूप से फ्रोजन कटलफिश और स्क्विड, कॉड, फ्रोजन श्रिम्प, प्रॉन, अलास्का पोलक, पैसिफिक सैल्मन और तिलापिया इत्यादि का निर्यात करता है। कुल समुद्री खाद्य के निर्यात में फ्रोजन कटलफिश और स्क्विड की भागीदारी 9.84 प्रतिशत है।

NUTSHELL

- चीन ने 2018 में 11.92 अरब अमेरिकी डॉलर के समुद्री खाद्य का आयात किया। इसमें भारतीय भागीदारी 567.05 मिलियन डॉलर (4.76 प्रतिशत) है।
- चीन ने 2018 में 21.55 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य की मछली और मत्स्य उत्पादों का निर्यात किया।
- चीन द्वारा आयातित माल में फ्रोजन श्रिम्प का बोलबाला है।
- रूस, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और नॉर्वे चीनी बाजार के प्रमुख निर्यातक हैं। इस क्रम में भारत छठे स्थान पर है।
- भारत से चीन को निर्यात किए जाने वाले मत्स्य उत्पादों में फ्रोजन श्रिम्प प्रमुख है। इसके बाद सेफेलोपॉड्स (फ्रोजन कटलफिश और स्क्विड) और केकड़े का नंबर हैं।
- यदि हम पिछले पांच सालों के निर्यात का विश्लेषण करें तो भारत से फ्रोजन श्रिम्प के निर्यात में निरंतर वृद्धि हुई है।
- मूल्य और मात्रा के मामले में चीन को फ्रोजन श्रिम्प के निर्यात में भारत का योगदान क्रमशः 15.25 प्रतिशत और 18.01 प्रतिशत है।

Freight Brokers Global Services Inc.

C-TPAT
Customs-Trade Partnership Against Terrorism
BUILDING PARTNERSHIPS • PROTECTING FREEDOM

Looking to Export to the U.S.?

Let our dedicated team with decades of experience assist you

Full Service, Inter-Modal & LTL Trucking

FCL/LCL Ocean Freight

Domestic and International Air Freight

Full Service FDA Security & Compliance Consulting

NEW FOR 2019

Seafood Import Monitoring Program

Now offering 2019 record keeping for NOAA Compliance

Have FBGS be your U.S. team to keep your imports covered for all monitoring requirements

LET'S GET STARTED!

Call: 718.471.1299

Email: Info@FreightBrokersGlobal.com

1200 Brunswick Ave, Far Rockaway, NY 11691

www.FreightBrokersGlobal.com

विपणन समाचार

मछली उत्पादन और खपत के संबंध में एक देश के रूप में चीन का संक्षिप्त परिचय नीचे तालिका 1 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 1. मछली उत्पादन और खपत के संबंध में एक देश के रूप में चीन का परिचय		
1	समुद्री जल क्षेत्र विशेष आर्थिक क्षेत्र	877,019 वर्ग किमी
2	जनसंख्या (2017)	1.43 अरब
3	महाद्वीपीय तटरेखा की लंबाई	14500 किमी
4	कुल उत्पादन (2017)	69.96 मिलियन टन
5	प्रति व्यक्ति मछली की खपत	41 किग्रा/ सालाना/ व्यक्ति
6	जलीय कृषि उत्पादन (2017)	46.82 मिलियन टन 140.07 मिलियन अमेरिकी डॉलर (मूल्य)
7	प्राथमिकताएं	फ्रेश एवं चील्ड फिश
8	समुद्री खाद्य रुझान	उच्च

भारत से चीन को 567 मिलियन अमेरिकी डॉलर के समुद्री उत्पादों का निर्यात किया गया जो कि चीन द्वारा समुद्री उत्पादों के कुल आयात का 4.76 प्रतिशत है (तालिका-2)। भारत से निर्यातित सामग्री में मूल्य वर्धित उत्पादों का योगदान नगण्य है।

तालिका 2 - चीन के कुल आयात में भारतीय योगदान का प्रतिशत						
	2018 में आयातित मूल्य (अमेरिकी डॉलर में)					
	चेप्टर 03	उपशीर्षक 1604	उपशीर्षक 1605	कुल	समग्र आयात में भारत का योगदान	मूल्यवर्धित सामग्री में भारत का योगदान
विश्व	11,605.74	110.04	205.28	11,921.05	4.76%	0.38%
भारत	565.84	0.71	0.49	567.05		

चीन के प्रमुख निर्यातकों में रूस, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और नार्वे हैं। भारत का स्थान इस क्रम में छठा है (तालिका-3)

तालिका 3- चीन को समुद्री खाद्य का निर्यात करने वाले दस प्रमुख देश		
श्रेणी	**निर्यातक**	**2018 में निर्यात मूल्य (मिलियन डॉलर)**
1	रूसी महासंघ	2115.37
2	संयुक्त राज्य अमेरिका	1255.99
3	कनाडा	1010.96
4	ऑस्ट्रेलिया	633.9
5	नार्वे	578.91
6	भारत	567.05
7	वियतनाम	557.49
8	इंडोनेशिया	543.40
9	इक्वाडोर	495.44
10	चिली	484.68
10	न्यूजीलैंड	430.19
	अन्य	2960.16

चीन को मूल्यवर्धित उत्पादों के आपूर्तिकर्ताओं में मुख्य रूप से पेरू, थाईलैंड, दक्षिण कोरिया, जापान और कनाडा हैं। इस क्रम में भारत का स्थान लगभग 20वां है।

एमपीईडीए द्वारा पिछले 5 वर्षों के दौरान वित्तीय वर्ष के आधार पर तैयार बनाए गए रिकॉर्ड के अनुसार भारत से चीन को समुद्री उत्पादों का वस्तुवार निर्यात नीचे दिया गया है।

तालिका 4 - चीन को निर्यात किए जाने वाले समुद्री उत्पादों का वस्तुवार ब्योरा

Q: मात्रा मीट्रिक टन में V: मूल्य करोड़ रुपये में $: मिलियन अमेरिकी डॉलर

सामग्री		2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19*
फ्रोजन श्रिम्प	Q:	4368	8500	6827	11793	65250
	V:	201.37	360.92	301.77	483.70	2624.14
	$:	33.15	55.92	45.50	75.90	378.04
फ्रोजन फिश	Q:	35106	26818	24231	23587	134690
	V:	360.25	344.09	318.85	284.29	1834.47
	$:	58.94	52.81	48.07	44.65	259.20
एफआर कटल फिश	Q:	564	541	303	407	4488
	V:	7.11	7.11	6.12	9.80	97.93
	$:	1.16	1.10	0.92	1.54	13.78
एफआर स्क्विड	Q:	1512	4755	819	485	6039
	V:	19.85	69.15	17.40	7.70	96.91
	$:	3.25	10.73	2.63	1.21	13.68
ड्राइड उत्पाद	Q:	1346	340	642	1004	1720
	V:	14.14	2.81	3.83	8.96	23.33
	$:	2.35	0.43	0.58	1.41	3.35
लाइव उत्पाद	Q:	1957	1950	2689	2393	2835
	V:	89.72	90.82	126.31	82.86	141.90
	$:	14.77	13.98	19.00	13.04	20.44
चील्ड उत्पाद	Q:	10	38	160	76	135
	V:	0.59	2.12	8.32	4.29	5.75
	$:	0.10	0.32	1.25	0.67	0.83
अन्य सामग्री	Q:	10792	3458	6158	5641	5718
	V:	96.64	48.39	94.79	126.77	185.41
	$:	15.74	7.45	14.24	19.88	26.43
कुल	Q:	55654	46401	41831	45385	220877
	V:	789.65	925.41	877.40	1008.38	5009.82
	$:	129.47	142.73	132.18	158.30	715.74

चीन के आयात में भारत के विशिष्ट उत्पादों के योगदान को तालिका 5 में दर्शाया गया है।

तालिका 5 - विशिष्ट उत्पादों के रूप में चीनी आयात में भारत का योगदान				
क्रम संख्या	एचएस कोड	ब्योरा	मूल्य के आधार पर भारतीय योगदान का प्रतिशत- 2018	मात्रा के आधार पर भारतीय योगदान का प्रतिशत-2018
1	03011100 (6 अंक)	मीठा जल	0.85	1.50
2	03011900 (6 अंक)	अन्य	4.80	6.72
3	03034200 (6 अंक)	येला फिन टूना (थन्नस अलबैकर्स)	7.87	7.25
4	03034300 (6 अंक)	स्किपजैक अथवा स्ट्राइप- बील्ड बोनितो	0.00	0.00
5	03038930 (6 अंक)	रिबन फिश	_	_
6	03038950 (6 अंक)	प्रोमफ्रेट (व्हाइट या सिल्वर अथवा ब्लैक)	_	_
7	03038980 (6 अंक)	क्रोएकर्स, ग्रुपर्स, फ्लाउंडर्स	_	_
8	03049900 (6 अंक)	अन्य	13.16	12.51
9	030617 (6 अंक)	अन्य श्रिम्प तथा प्रॉन्स	19.63	23.87
10	03074310 (6 अंक)	कटलफिश	3.37	_
11	03074390 (6 अंक)	अन्य फ्रोजन कटल फिश तथा स्क्विड	0.08	0.19
12	03074990 (6 अंक)	अन्य	0.00	_
13	03075200	फ्रोजन	10.99	10.99
14	16041310 (6 अंक)	सरडाइन्स, सर्डिनेला तथा ब्रिसलिंग	0.00	_
15	16041410 (6 अंक)	टूना	0.64	0.98
16	16041500 (6 अंक)	मैकेरल	0.00	_
17	16041600	एंकोवाइस	0.00	0.00
18	16042000 (6 अंक)	अन्य प्रिपर्ड या प्रिजर्ब्ड फिश	1.04	1.09
19	16051000	क्रैब	0.00	_
20	16052100 (6 अंक)	एयरटाइटकंटेनर में नहीं	0.00	_
21	16052900	अन्य	4.19	2.83
22	16055400	कटल फिश एवे स्क्विड	0.00	_
23	16055500	ऑक्टोपस	0.00	_

व्यापार में वृद्धि के साथ ही संबंधित व्यापारिक मसले भी उभर कर सामने आए हैं। समझा जाता है कि चीन केवल उन वस्तुओं को आयात करने की अनुमति दे रहा है जो ‘जनरल एडमिस्ट्रेशन ऑफ कस्टम्स ऑफ द पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना’ (जीएसीसी) की वेबसाइट पर सूचीबद्ध हैं। भारतीय प्रजातियों में से कई उनकी इस वेबसाइट में शामिल नहीं हैं। चीन को माल निर्यात करने वाले व्यापारिक प्रतिष्ठानों को मंजूरी दिए जाने में देरी हुई। इसके अलावा ईआईए द्वारा जारी किए गए हेल्थ सर्टिफिकेट में चीनी आयात प्राधिकरणों द्वारा निकाली गईं छोटी-छोटी गलतियों के कारण भी हमारी खेपों को रोक लिया गया। इन्हीं सब घटनाक्रमों के मद्देनजर चीन में भारतीय समुद्री उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने और व्यापार को प्रभावित करने वाली अड़चनों को दूर करने के उद्देश्य से वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की अनुशंसा पर भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने चीन के क्वांगदो और बीजिंग का दौरा किया।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एमपीईडीए के अध्यक्ष के.एस. श्रीनिवास, आईएएस ने किया। प्रतिनिधिमंडल में एमपीईडीए और ईआईसी के अधिकारी तथा 40 भारतीय निर्यातक शामिल थे। इन निर्यातकों के लिए यह अत्यधिक महत्वपूर्ण अवसर इसलिए भी था कि उन्होंने जहां क्वांगदो इंटरनेशनल

विपणन समाचार

सी-फूड एक्सपो में भाग लिया, वहीं एमपीईडीए व बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास के सौजन्य से आयोजित क्रेता-विक्रेता बैठक में भी शिरकत की। ये कार्यक्रम 30 अक्टूबर से 1 नवंबर 2019 तक चले। क्रेता-विक्रेता बैठक 30 नवंबर 2019 की शाम क्वांगदो में आयोजित की गई जिसमें 25 से अधिक क्रेताओं और 35 भारतीय निर्यातकों ने भाग लिया। यह आयोजन भारतीय दूतावास के काउंसलर (वाणिज्य) श्री प्रशान्त लोखंडे की पहल पर हुआ। बैठक में एमपीईडीए अध्यक्ष ने भारतीय समुद्री खाद्य पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। इसकी स्लाइड्स चीनी भाषा में भी थीं। इसके अलावा दर्शकों की बेहतर भागीदारी के लिए संपूर्ण विमर्श को चीनी भाषा में अनुवाद भी किया गया। इसी कड़ी में चीनी उपशीर्षकों के साथ एमपीईडीए का एक कॉरपोरेट वीडियो भी दिखाया गया। प्रस्तुति के तुरंत बाद हॉल में क्रेता-विक्रेता बैठक शुरू हुई। कार्यक्रम के समापन पर आमंत्रितों को डिनर भी परोसा गया। 31 अक्टूबर, 2019 को एमपीईडीए अध्यक्ष और अन्य प्रतिनिधियों ने क्वांगदो एक्सपो सेंटर में आयोजित 'चाइना फिशरीज एंड सीफूड एक्सपो' का भी दौरा किया और इस दौरान खरीदारों और स्टॉल मालिकों के साथ बातचीत भी की।

एमपीईडीए के अध्यक्ष व अन्य अधिकारियों, ईआईसी अधिकारियों और तीन निर्यातक प्रतिनिधियों के समूह ने 1 नवंबर, 2019 को बीजिंग में 'चीनी चैंबर ऑफ फूडस्टफ, नेटिव प्रोड्यूस एंड एनिमल-बाय प्रोडक्ट्स' (सीएफएनए) और जीएसीसी आयात-निर्यात ब्यूरो के अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। इन बैठकों में उपस्थित लोगों की सूची संलग्न है। यह पहला मौका था जब प्रतिनिधिमंडल ने सीएफएनए की उपाध्यक्ष सुश्री यू लू और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक

क्रेता-विक्रेता मीटिंग से पूर्व भारतीय समुद्री खाद्य पर अपनी प्रस्तुति देते एमपीईडीए के अध्यक्ष के.एस. श्रीनिवास

क्रेता-विक्रेता मीटिंग का नजारा

भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य और दूतावास के अधिकारीगण 'चीनी चैंबर ऑफ फूडस्टफ, नेटिव प्रोड्यूस एण्ड एनिमल-बाय प्रोडक्ट्स' के उपाध्यक्ष के साथ

की। इस अवसर पर एमपीईडीए अध्यक्ष ने बताया कि भारत समुद्री खाद्य के एक प्रमुख निर्यातक के रूप में उभर रहा है और उसने हाल के वर्षों में समुद्री खाद्य पदार्थों की अनेक किस्में पेश की हैं। भारत के पास आज निर्यात करने के लिए मत्स्य प्रजातियों की एक व्यापक रेंज है। भारत के समस्त निर्यात घरेलू रूप से उत्पादित होते हैं और वह मूल्यसंवर्धन और पुनः निर्यात के लिए मत्स्य आयात नहीं करता है। उन्होंने बताया कि भारत हैचरी व नर्सरी स्थापित करने में निवेश के भरपूर अवसर उपलब्ध करा रहा है। यह क्षेत्र शत प्रतिशत एफडीआई के लिए खुला है। चूंकि 85 प्रतिशत भारतीय निर्यात कच्चे माल के रूप में होता है, लिहाजा मामूली मूल्यवर्धन के साथ इसमें सुधार की भारी गुंजाइश है। इस प्रकार मूल्यवर्धन के क्षेत्र में संयुक्त उपक्रमों के लिए भारत ने अपार अवसर उपलब्ध कराए हैं। अध्यक्ष ने सीएफएनए को कोच्चि में 7-9 फरवरी 2020 से आयोजित होने वाले इंडिया इंटरनेशनल सीफूड शो (आईआईएसएस) में भाग लेने और प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए आमंत्रित किया। कुछ चीनी मशीनरी विनिर्माण कंपनियों ने इसके लिए हामी भी भरी है।

सीएफएनए ने बताया कि 'झांगजियांग गुलियान एक्वाटिक' तीसरा सबसे बड़ा चीनी समुद्री उत्पादक है। यह अमेरिका में श्रिम्प का प्रमुख निर्यातक है और भारत में भी इसकी उपस्थिति है। चीनी अधिकारियों ने एमपीईडीए को भारतीय प्रतिनिधिमंडल सहित अगले साल 15-17 अप्रैल 2020 तक शेन्जेन में 'अनफूड़ चाइना' में भाग लेने का न्योता दिया। शेन्जेन चीन का एक प्रमुख बंदरगाह शहर है जो कि समुद्री खाद्य के आयात का केन्द्र है। 'अनफूड' दक्षिणी चीन का प्रमुख एक्सपो है। यह 20 साल पूरा करने जा रहा है और इसीलिए इस बार यहां काफी बड़ा उत्सव होगा। चीनी अधिकारियों ने यह भी पेशकश की कि 'शेन्जेन एक्सपो' में भाग लेने से पहले एमपीएडीए 2-3 अन्य शहरों में रोड शो भी आयोजित कर सकता है ताकि इन शहरों में चीनी आयातकों को भारतीय समुद्री खाद्य के प्रति जागरूक किया जा सके। एमपीईडीए चीनी समुद्री खाद्य उद्योग के विकास को समझने के लिए कुछ कारखानों का दौरा कर सकता है। इसकी व्यवस्था करने में सीएफएनए मदद करेगा।

सीएफएनए और जीएसीसी के साथ बैठकों के पश्चात भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने जीएपीसी के आयात निर्यात और खाद्य सुरक्षा ब्यूरो के महानिदेशक बी. कीझिन के साथ भी एक बैठक की। श्री कीझिन ने बताया कि भारतीय श्रिम्प के लिए चीन एक बहुत बड़ा बाजार है। गौरतलब है कि जीएसीसी वह चीनी प्राधिकार है जो श्रिम्प सहित घरेलू और आयातित समुद्री खाद्य की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है। बैठक में चीनी पक्ष ने सकारात्मक रुख दिखाया और भारत से आयात के मसले को काफी तवज्जो दी। गौरतलब है कि जीएसीसी दोनों पक्षों की आम सहमति के अनुसार ही कार्य करता है। एमपीईडीए अध्यक्ष ने जीएसीसी के समक्ष खासकर उन तीन मुद्दों को उठाया जो कि भारतीय समुद्री खाद्य निर्यातकों के समक्ष खड़े हैं। जीएसीसी महानिदेशक ने इन मुद्दों की जांच करने और तदनुसार जरूरी कार्यवाही किए जाने का आश्वासन दिया। जीएसीसी प्रमुख ने बताया कि उनके निरीक्षक भारतीय प्रतिष्ठानों का मुआयना करने भारत जा सकते हैं। इन निरीक्षकों की सिफारिश के आधार पर ही प्रतिष्ठानों को मंजूरी दी जा सकेगी।

एमपीईडीए अध्यक्ष ने श्री कीझिन को भारत आने और आईआईएसएस में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। इसके साथ ही उन्होंने उनसे भारतीय मत्स्य पालन से संबंधित आधारभूत ढांचे, संगरोध सुविधाओं और प्रयोगशालाओं आदि

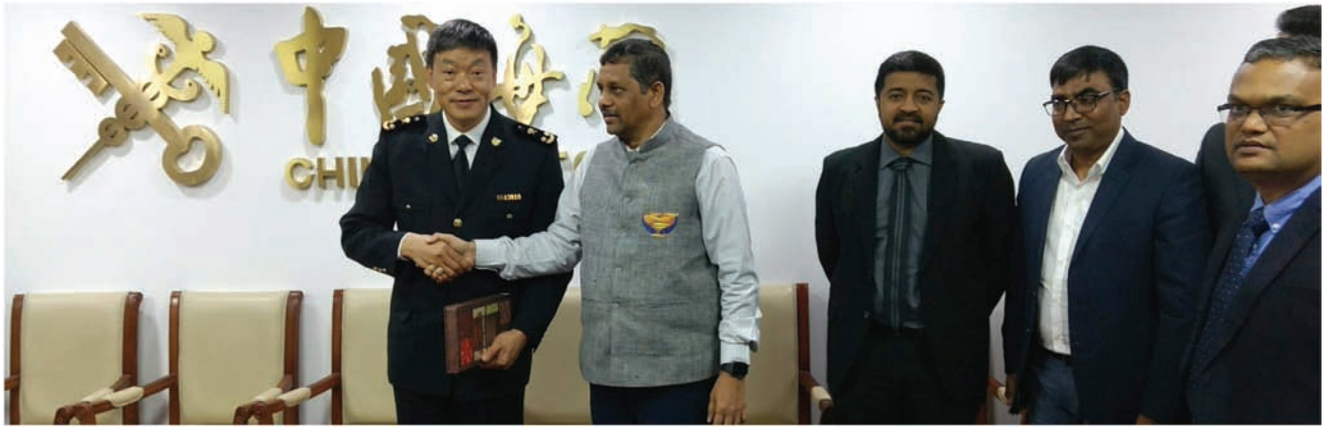

'इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट एण्ड फूड सेफ्टी ब्यूरो, जनरल एडमिस्ट्रेशन ऑफ कस्टम्स ऑफ द पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना' के महानिदेशक का अभिनंदन करते एमपीईडीए के अध्यक्ष

के निरीक्षण की भी पेशकश की। जीएसीसी ने भारत आने का एमपीईडीए का निमंत्रण स्वीकार किया और भारतीय मत्स्य पालन उद्योग के लिए मत्स्य-आयात से संबंधित चीनी नियामक ढांचे के अनुरूप सेमिनार और डीवीसी के माध्यम से प्रशिक्षण मुहैया कराने की भी पेशकश की। जीएसीसी प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा के दौरान इस तरह के प्रशिक्षण का आयोजन किया जा सकता है।

जीएसीसी ने प्रशिक्षण और अन्य सहयोग के लिए निरीक्षण अधिकारियों के बीच एक समझौता ज्ञापन का भी सुझाव दिया। काउंसलर (ई एंड सी) ने विभिन्न भारतीय कृषि उत्पादों को बाजार मुहैया कराने से संबंधित प्रक्रियाओं में तेजी लाने के लिए जीएसीसी को धन्यवाद दिया। उन्होंने अनुरोध किया कि भारत में विशेषज्ञों के दौरे की प्रतीक्षा किए बिना जीएसीसी को 40 मत्स्य प्रजातियों को मंजूरी देनी चाहिए। सीएफएनए के साथ बैठकों में एमपीईडीए अध्यक्ष के.एस. श्रीनिवास, भारतीय दूतावास में प्रथम सचिव राजेश परिहार, एमपीईडीए के संयुक्त निदेशक (विपणन) डॉ. एम.के. राम मोहन, कोच्चि स्थित एक्सपोर्ट इंस्पेक्शन एजेंसी की उपनिदेशक सुश्री जी. जयपालन, सीफूड एक्सपोर्टर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईएआई) के अध्यक्ष जगदीश वी. फोफंडी, एमपीईडीए के सदस्य तथा एसईएआई प्रबंध समिति के सदस्य करसन आर. सालेट, एसईएआई की केरल इकाई के अध्यक्ष एलेक्स के. नैनन और भारतीय दूतावास के काउंसलर (वाणिज्य) प्रशांत लोखंडे शामिल हुए।

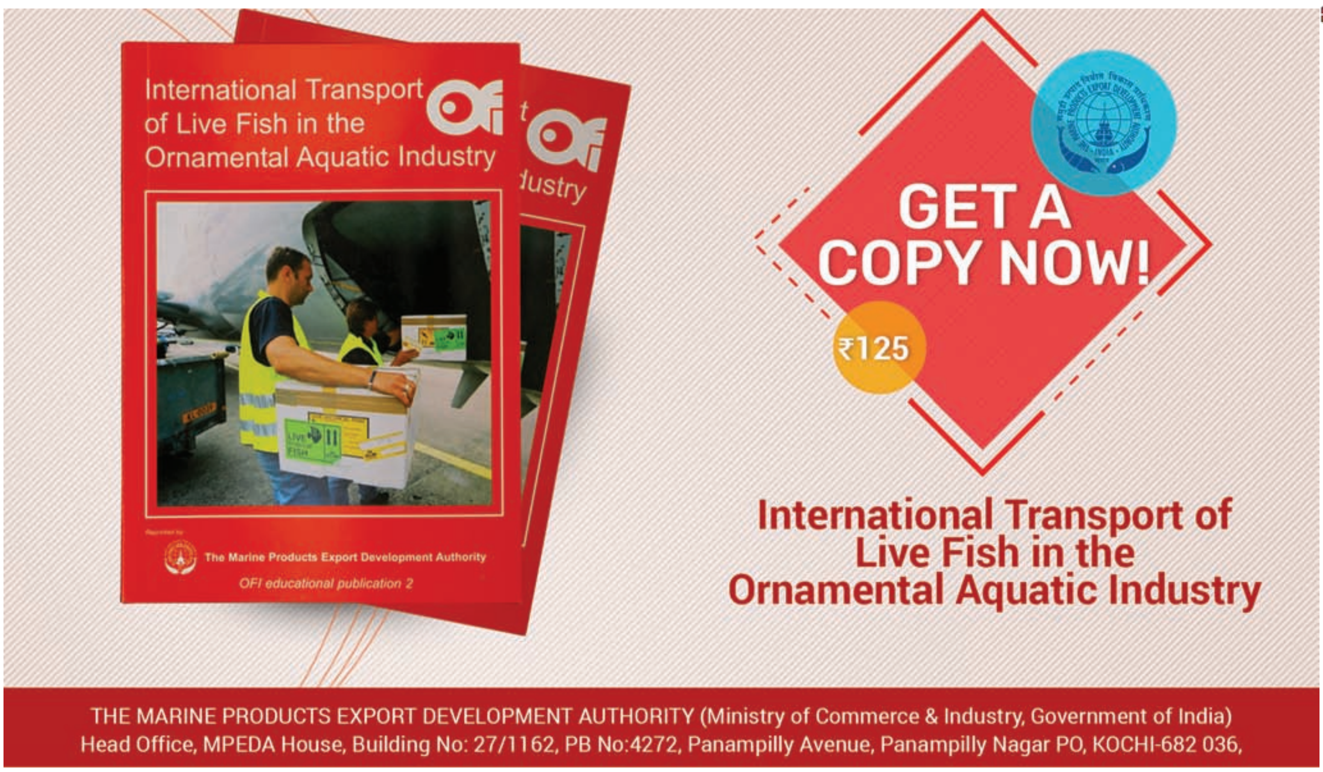

चाइना फिशरीज एंड सी फूड एक्सपो - 2019 (सीएफएसई) में एमपीईडीए

एमपीईडीए मंडप का नजारा

24वां चाइना फिशरीज एंड सी फूड एक्सपो (सीएफएसई) 30 अक्टूबर से 1 नवंबर 2019 तक क्वांगदो शहर के इंटरनेशनल एक्सपो सेंटर में आयोजित किया गया। इस आयोजन में 53 देशों और क्षेत्रों की लगभग 1,600 व्यावसायिक कंपनियों ने भाग लिया। एक्सपो में घरेलू और विदेशी मिलाकर कुल 22 मंडप शामिल थे। एक्सपो का उद्देश्य था, समुद्री खाद्य बाजार और इससे संबंधित उद्योगों के एकीकरण और वैश्वीकरण को बढ़ावा देना तथा विश्व में मत्स्यिकी के अधिकाधिक योगदान को सुनिश्चित करना। लगभग 45,108 वर्ग मीटर में फैले प्रदर्शनी स्थल के साथ ही चीन का यह एक्सपो दुनिया का सबसे बड़ा समुद्री खाद्य व्यापार मेला बन गया। इसमें 100 देशों के 33,000 से अधिक आगंतुकों ने भाग लिया। इनमें सरकारी अधिकारी, व्यापारिक समुदाय, प्रदर्शक और व्यावसायिक क्रेता इत्यादि हर तरह के लोग थे। एमपीईडीए ने 18 निर्यातकों के साथ एक्सपो में अपनी शानदार उपस्थिति दर्ज कराई। सीएफएसई 2019 में भाग लेने वाली कंपनियों की सूची नीचे दी गई है।

भारतीय मंडप में पहुंचने वाले आगंतुकों को जानकारी देते एमपीईडीए के उप निदेशक डॉ. शाइन कुमार और डॉ. पी.जी. श्रीनाथ

विपणन समाचार

क्रम संख्या	कपनी का नाम	शहर
1	मैसर्स अमरावती एक्वा एक्सपोर्ट प्रा.लि..	विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश
2	मैसर्स बेबे मैरीन ईस्टर्न एक्सपोर्ट्स	मंडपम, तमिलनाडु
3	मैसर्स केसलरॉक प्रा. लि.	मुंबई, महाराष्ट्र
4	मैसर्स कोस्टल कॉरपोरेशन लिमिटेड	विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश
5	मैसर्स फ्रैब्रेट एक्सपोर्ट्स	वेरावल, गुजरात
6	मैसर्स गाड्रे मैरीन एक्सपोर्ट	रत्नागिरी, महाराष्ट्र
7	मैसर्स गोवयन फ्रेश मैरीन एक्सपोर्ट्स प्रा.लि.	उडुपी, कर्नाटक
8	मैसर्स हलाल एक्सपोर्ट्स	वेरावल, गुजरात
9	मैसर्स मौर्य एक्वेक्स प्रा.लि.	भीमावरम, आंध्र प्रदेश
10	मैसर्स रूप्शा फिश प्रा.लि.	कोलकाता, प. बंगाल
11	मैसर्स एसएस सीफूड प्रा.लि.	कोलकाता, प. बंगाल
12	मैसर्स शश्मि फूड्ज प्रा.लि.	बंगलुरु, कर्नाटक
13	मैसर्स शैफी मैरीन	वेरावल, गुजरात
14	मैसर्स एसएस इंटरनेशल	वेरावल, गुजरात
15	मैसर्स सूर्यमित्र एक्जिम प्रा.लि.	भीमावरम, आंध्र प्रदेश
16	मैसर्स सन एक्सपोर्ट्स	वेरावल, गुजरात
17	मैसर्स वशिष्ठ मैरीनी	भीमावरम, आंध्र प्रदेश
18	मैसर्स सालेट सीफूड प्रा.लि.	पोरबंदर, गुजरात

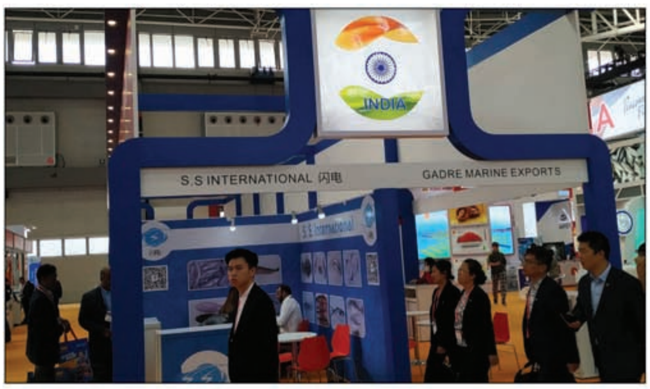

सीएफएसई 2019 में शामिल भारतीय समुद्री खाद्य कंपनियों के स्टॉल

सीएफएसई 2019 में शामिल भारतीय समुद्री खाद्य कंपनियों के स्टॉल

विपणन समाचार

क्वांगदो में ई ऑन सुपर मार्केट का भ्रमण

क्वांगदो यात्रा के दौरान एमपीईडीए टीम ने ई ऑन सुपर मार्केट का भी दौरा किया जहां विभिन्न प्रकार के समुद्री खाद्य उत्पाद प्रदर्शित किए गए थे। यह देखा गया कि ई ऑन सुपर मार्केट में प्रमुख समुद्री खाद्य पदार्थ लाइव, फ्रेश, फ्रोजन और ड्राइ रूप में थे। यह भारतीय निर्यातकों के लिए फायदेमंद होगा बशर्ते वे कैरीफोर, जॉस्को, मेट्रो और वॉल-मार्ट जैसी चीनी सुपरमार्केट शृंखलाओं के लिए सीधे समुद्री खाद्य का विपणन करने में समर्थ हों। यह स्थिति चीन में भारतीय समुद्री भोजन की आपूर्ति के बदले बेहतर मूल्य की प्राप्ति में मदद के साथ-साथ बिचौलियों से भी बचा जा सकेगी।

खुदरा मूल्य पर फ्रोजन अर्जेंटाइन रेड श्रिम्प

फ्रोजन पेंटागॉनियन टूथफिश स्टीक्स का खुदरा पैक

अटलांटिक सालमोन क्रिस्पी सीवीड श्रिम्प

लाइव क्रैब खुदरा मूल्य पर

Subscription Order / Renewal Form

Please enroll me / us as a subscriber / renew my existing subscription of the MPEDA Newsletter. The subscription fee of Rs. 1000/- inclusive of GST for one year is enclosed vide local cheque/DD No...
dt........................ drawn in favour of The Secretary, MPEDA', payable at Kochi.
Please send the journal to the following address:

....

....

Tel No.. Fax : ....

E mail ....

For details, contact:
The Editior, MPEDA Newsletter, MPEDA House, Panampilly Nagar, Kochi - 682 036
Tel: 2311979, 2321722, Fax: 91-484-2312812. Email : newslet@mpeda.gov.in

अगस्त, 2019 के दौरान भारत के प्रमुख बंदरगाहों पर मछली की आवक संबंधी खास बातें

अफजल वी. वी., एन. जे. नीतू. और जॉयस वी. थॉमस
नेटफिश-एमपीईडीए

भारत के प्रमुख बंदरगाहों से रोजमर्रा पहुंचने वाली मछली की प्रमुख प्रजातियों तथा मछली पकड़ने वाले जहाजों के विवरण का लेखा-जोखा नेटफिश रखता है। ऐसा वह मछली पकड़ने के कार्य हेतु एमपीईडीए की प्रमाणन प्रणाली को सुगम बनाने के लिए करता है। प्रस्तुत रिपोर्ट में अगस्त, 2019 के दौरान प्राप्त डेटा का विश्लेषण किया गया है।

डेटा संग्रह और विश्लेषण

मछली पकड़ने और नौकाओं के आगमन के आंकड़े भारत के नौ तटवर्ती राज्यों के चुनिंदा 96 बंदरगाहों पर तैनात डेटा कलेक्टरों द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक दोनों स्रोतों से रोजमर्रा के आधार पर जुटाए गए (देखें तालिका-1)। मछली की प्रमुख प्रजातियों की कुल मात्रा जो बंदरगाह पर एक दिन में उतारी जाती है, उसे अनुमान के आधार पर आंका गया। बंदरगाह पर मछली पकड़ने के जहाजों का नाम, पंजीकरण संख्या और आकार-प्रकार संबंधी जानकारी भी दर्ज की गई। प्रजाति-वार, क्षेत्र-वार, राज्य-वार और बंदरगाह-वार अनुमानों पर पहुंचने के लिए ऑनलाइन ऐप और एमएस ऑफिस (एक्सेल) टूल्स का उपयोग करके डेटा का विश्लेषण किया गया।

तालिका 1. डाटा संग्रहण की लैंडिंग साइट की सूची

क्रम संख्या	राज्य	बंदरगाह
1	गुजरात	ढोलई
2		द्वारका रुपन
3		घोघला
4		जाफराबाद
5		कोटाडा
6		मंगरौल
7		पोरबंदर
8		सूत्रपाड़ा
9		उमरागम
10		वनकाबरा
11		वेरावल
12	महाराष्ट्र	अलीबाग कोलीवाड़ा
13		अरनाला
14		वसई
15		दहानू
16		हर्णे
17		मालवन
18		न्यू फैरी वार्फ
19		ओनी भाटी दाभोल
20		रत्नागिरी
21		साखरी नाटे
22		ससून डॉक
23		सातपाटी
24		तरमुम्बरी देवगड
25		उत्तन
26		वर्सोवा
27	गोवा	कटबोना
28		मालिम
29		वास्को
30		चपोरा
31	कर्नाटक	अम्मदाली
32		बलेकेरी
33		भटकल
34		गंगोली
35		होन्नावर
36		कारवार
37	कर्नाटक	मालपे
38		मंगलौर
39		ताड़री
40	केरल	बेपोर

41		चेल्लानाम
42		चेरुवाथुर
43		चेतुवा
44		कायमकुलम
45		कोईलांडी
46		मोपला बे
47		मुनाबम
48		नीनदकारा
49	केरल	पोनानी
50		पुथियाप्पा
51		सक्तिकुलांगरा
52		थंगासेरी
53		थोपमपड्डी
54		थोत्तापल्ली
55		वाडी
56		विजीन्जम
57		व्यंपि
58		चेन्नई
59		चिन्नामुत्तोम
60		कोलाचेल
61		कुड्डालोर
62		कराइकल
63		कोडियाकराई
64		कोत्तैपत्तिनाम
65		मल्लिपतनम
66	तमिलनाडु	मंडपम
67		मुदासल ओदी
68		नागपट्टिनम
69		पंबन
70		पज्यहायर
71		पुडुचेरी
72		पूम्पुहार
73		पुलिकट
74		रामेश्वरम
75		थारुवैकुलम
76	तमिलनाडु	ठेन्गापत्तानाम
77		तूतीकोरिन

78		काकीनाड़ा
79		मछलीपट्टीनम
80		निजामपट्टनम
81	आंध्र प्रदेश	पुदिमदाका
82		विशाखापत्तनम
83		वाडरेवु
84		यानम
85		बहाबलपुर
86		बलरामगढ़ी
87	ओड़ीशा	बलुगओ
88		धामरा
89		पारादीप
90		देशप्राण
91		फ्रेजर गंज
92		काकद्वीप
93	पश्चिम बंगाल	नामखाना
94		रैदिघी
95		शंकरुपर
96		सोला

मछली की अनुमानित लैंडिंग

अगस्त, 2019 के दौरान चुनिंदा 96 लैंडिंग स्थानों से रिकार्ड की गई मछली की मात्रा 62,639.18 टन थी। इसमें पेलाजिक फिनफिश की मात्रा 22,597.75 टन (36 फीसद), डेमरसल फिनफिश की मात्रा 15,616.20 टन (25 फीसद) और शेलफिश की मात्रा 24,425.22 टन (39 फीसद) थी (आकृति-1)।

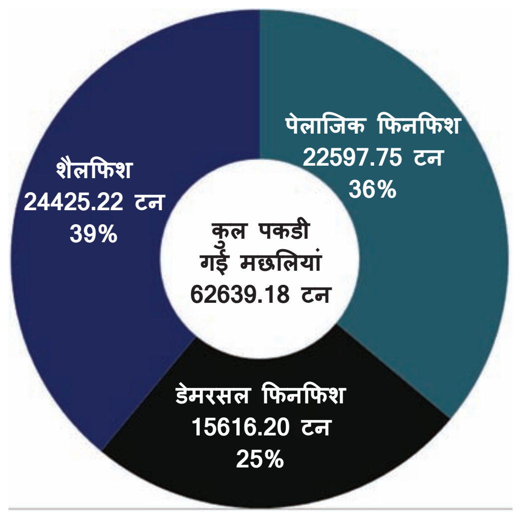

आकृति 1. अगस्त 2019 में पकड़ी गए मत्स्य उत्पादों का श्रेणी-वार ब्योरा

संकेंद्रित क्षेत्र

इस अवधि की दौरान 256 प्रजातियों के मत्स्य उत्पाद पकड़ कर लाए गए थे। इसमें पांच प्रमुख प्रजातियां थीं करीकाड़ी श्रिम्प (Parapenaeopsis stylifera), फेरोच कटलफिश (Sepia pharaonis), जैपनीज थ्रेड फिन ब्रीम (Nemipterus japonicus), स्क्विड (Uroteuthis duvaucelii) और रिबन फिश (Lepturacanthus savala)। पकड़ कर लाई गई मछलियों में इन पांच प्रजातियों की हिस्सेदारी 30 फीसद थी। (आकृति. 2)

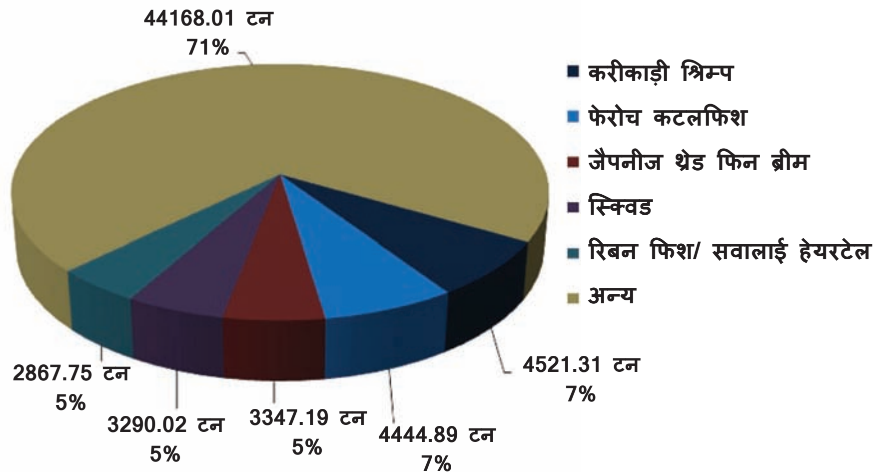

आकृति 2. अगस्त 2019 में पकड़ कर लाए गए प्रमुख मत्स्य उत्पाद

इसके अलावा पकड़ कर लाई गई अन्य प्रजातियां थीं बॉम्बे डक (Harpadon nehereus), क्रोएकर (Johnius Spp) और इंडियन मैकेरल (Rastrelliger kanagurta)। इनमें से हरेक प्रजाति 2000 टन से अधिक पकड़ कर लाई गई थी। इस महीने में दर्ज की गई मछलियों में सबसे कम पकड़ कर लाई गई मछली कोरल ग्रुपर (Plectropomus leopardus) रही। मछली कोरल ग्रुपर 0.01 टन पकड़ कर लाई गई थी।

तालिका 2 में अगस्त 2019 में पकड़ कर लाई गई मछलियों की प्रजातियों को दर्शाया गया है। पेलाजिक फिनफिश में मुख्य योगदान रिबन फिश, बॉम्बे डक और इंडियन मैकेरल का था। डेमरसल फिनफिश में प्रमुख योगदान थ्रेडफिन ब्रीम्स, क्रोएकर और पोम्फर्ट का था। शैलफिश में प्रमुख योगदान कोस्टल श्रिम्पस, कटलफिश और स्क्विड का था।

तालिका 2 - अगस्त 2019 में पकड़ कर लाए गए मत्स्य उत्पादों का श्रेणी-वर ब्योरा

मत्स्य उत्पाद	टनों में मात्रा	पकड़ कर लाई गई मछली में %
पेलाजिक फिनफिश		
रिबन फिश	5940.41	9.48
बॉम्बे डक	2790.44	4.45
इंडियन मैकेरल	2665.85	4.26
टूना	2453.59	3.92
स्कैड	1821.02	2.91
इंडियन ऑयल सार्डिन	1664.78	2.66
शैड्स	1218.06	1.94
एन्क्रोविज	1025.26	1.64
लेसर सार्डिन्स	686.61	1.10
सीरफिश	453.62	0.72
बारकुडास	414.85	0.66
ट्रैवलरी	288.05	0.46
स्वोर्ड फिश	252.65	0.40
मलट	194.12	0.31
फाल्स ट्रीवेली	156.82	0.25
इंडियन सैलमन	147.33	0.24
हेरिंग्स	77.12	0.12
कोबिया	58.21	0.09
डॉल्फिन फिश	56.42	0.09
सैल फिश	53.11	0.08
सिल्वर सिलागो	37.11	0.06
हाफबीक	30.33	0.05
मारलिन्स	23.45	0.04
नीडलफिश	18.07	0.03
सिल्वर बीड्डी	17.34	0.03
क्वीनफिश	14.73	0.02
सर्जन फिश	13.10	0.02
वाइट सार्डिन	12.22	0.02
बरामुंडी	7.15	0.01
मिल्क फिश	3.11	0.00
इंडियन थ्रेडफिश	1.15	0.00
फ्लाइंग फिश	0.86	0.00
स्नोबनोज पोम्पनो	0.53	0.00
ओरियंटल बोनिटो	0.10	0.00
पैसिफिक वाइटिंग	0.10	0.00
पेंटिड स्वीट लिप	0.10	0.00
कुल	**22597.75**	**36.08**

डेमरसल फिनफिश		
थ्रेड फिन ब्रीम्स	4201.84	6.71
क्रोकर्स	3156.14	5.04
पोम्फर्ट	2624.28	4.19
लिजर्ड फिश	1481.94	2.37
कैटफिश	965.24	1.54
सोल फिश	757.85	1.21
रे	426.59	0.68
स्नैपर	315.48	0.50
बुल्स आइज	289.37	0.46
रीफ कोड	248.44	0.40
पॉनी फिश	221.45	0.35
गोटफिश	197.97	0.32
ईल	171.97	0.27
ग्रुपर्स	113.49	0.18
डॉग शार्क	97.05	0.15
ट्रिगर फिश	75.80	0.12
मिल्क शार्क	62.72	0.10
मून फिश	40.76	0.07
इंडियन थ्रेडफिन	35.92	0.06
इंडियन हेलीबट	29.00	0.05
रैबिट फिश	24.68	0.04
एम्परर	24.07	0.04
पर्चिज	18.32	0.03
यूनीकोरन लैदरजैकेट	14.42	0.02
पैरट फिश	8.54	0.01
सीब्रीम्स	7.00	0.01
सर्जनफिश	1.78	0.00
फ्लैट हेड	1.59	0.00
सिलागो	1.54	0.00
टोमेटो हिंड	0.74	0.00
ड्रिफ्ट फिशेज	0.20	0.00
स्पैड फिश	0.03	0.00
कुल	**15616.20**	**24.93**
शैलफिश		
कोस्टल श्रिम्प्स	10721.38	17.12
कटलफिश	5735.17	9.16
स्क्विड	4625.61	7.38
ऑक्टोप्स	1680.02	2.68
सी क्रैब	1235.20	1.97
डीप सी श्रिम्प्स	389.90	0.62
लॉबस्टर	23.42	0.04
मड क्रैब	14.52	0.02
कुल शैलफिश	**24425.22**	38.99
सभी प्रजातियों की मछली का कुल योग	**62639.18**	**100.00**

पकड़ कर लाई गई मछली का क्षेत्र-वार ब्योरा

अगस्त, 2019 में पकड़ कर लाई गई मछली की सबसे ज्यादा आवक दक्षिण पश्चिम तट पर दर्ज की गई जहां कुल 21,940.68 टन (पकड़ी गई कुल मछली का 35 फीसद) दर्ज की गई। यह आवक केरल, कर्नाटक और गोवा के चुनिंदा बंदरगाहों पर दर्ज की गई। उत्तर पश्चिम तट में महाराष्ट्र और गुजरात आते हैं जहां 15,330.51 टन (24 फीसद) मछली पकड़ कर लाई गई। दक्षिण पूर्वी तट में चयनित तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में 11,058.48 टन (18 फीसद) मछली पकड़ कर लाई गई। हालांकि उत्तर पूर्वी तट पर 14,309.51 टन (23 फीसद) मछली पकड़ कर लाई गई। उत्तर पूर्वी तट के तहत पश्चिम बंगाल और ओड़ीशा के चुनिंदा बंदरगाह है। (आकृति 3)

पकड़ कर लाई गई मछलियों का राज्य-वार ब्योरा

पकड़ कर लाई गई मछलियों के राज्य-वार ब्योरा के तहत केरल में सबसे ज्यादा मछलियां पकड़ कर लाई गईं। केरल में 8,159.94 टन (कुल पकड़ी गई मछली का 29 फीसद) मछली पकड़ कर लाई गई। (आकृति 4)। इसके बाद पश्चिम बंगाल में 9,981.22 टन (16 फीसद) मछली पकड़ कर लाई गई। फिर तमिलनाडु में 9,477.98 टन (15 फीसद) मछली पकड़ कर लाई गई। दर्ज आंकड़े के मुताबिक सबसे कम मछली पकड़ कर गोवा में लाई गई। गोवा में समुद्र से पकड़ कर लाई गई मछली की मात्रा केवल 56.73 टन दर्ज की गई।

बंदरगाह-वर लैंडिंग

आकृति 5 और 6 में इस माह के दौरान पश्चिमी तट और पूर्वी तट पर पकड़ कर लाई गई मछली दर्ज की गई है। इन 96 बंदरगाहों में सबसे ज्यादा लैंडिंग वेरावल में 5,004.09 टन (8 फीसद) दर्ज की गई। इसके बाद सक्तिकुलांगरा में 4,496.00 टन (7.2 फीसद) मछली का आवक दर्ज की गई। इस दौरान सबसे कम मछलियों की आवक गोवा के चपोरा बंदरगाह पर (0.84टन) दर्ज की गई।

संकेंद्रित क्षेत्र

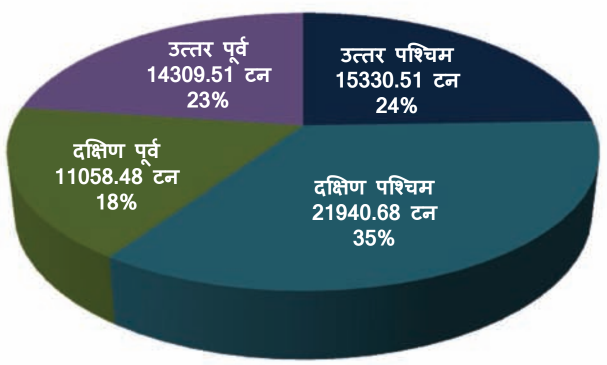

आकृति 3. अगस्त 2019 में मछलियों का (टनों में) क्षेत्र-वर दर्ज आंकड़ा

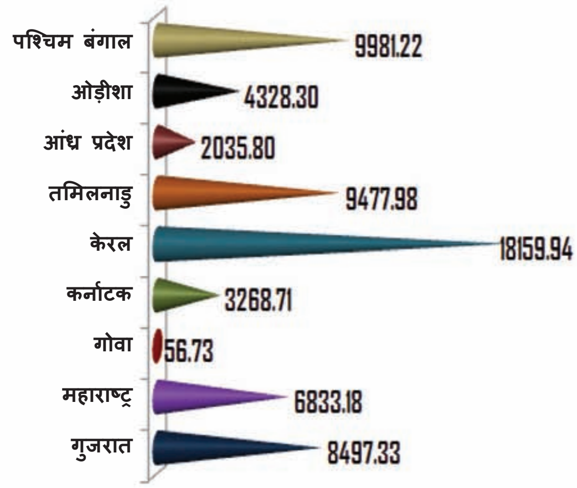

आकृति 4. अगस्त 2019 में मछलियों का (टनों में) राज्य-वर दर्ज आंकड़ा

तालिका 3 - हर राज्य में सबसे ज्यादा मछली की आपूर्ति वाले बंदरगाह

क्रम संख्या	राज्य	बंदरगाह	मात्रा	पकड़ कर लाई गई मछली में %
1	गुजरात	वरावल	5004.09	7.99
2	महाराष्ट्र	न्यू फेरी वार्फ	3215.87	5.13
3	गोवा	वास्को	40.50	0.06
4	कर्नाटक	मंगलौर	2388.94	3.81
5	केरल	सक्तिकुलांगरा	4496.00	7.18
6	तमिलनाडु	चेन्नई	3713.17	5.93
7	आंध्र प्रदेश	विशाखापट्नम	1086.01	1.73
8	ओड़ीशा	धमारा	1432.73	2.29
9	पश्चिम बंगाल	नामखाना	2653.90	4.24

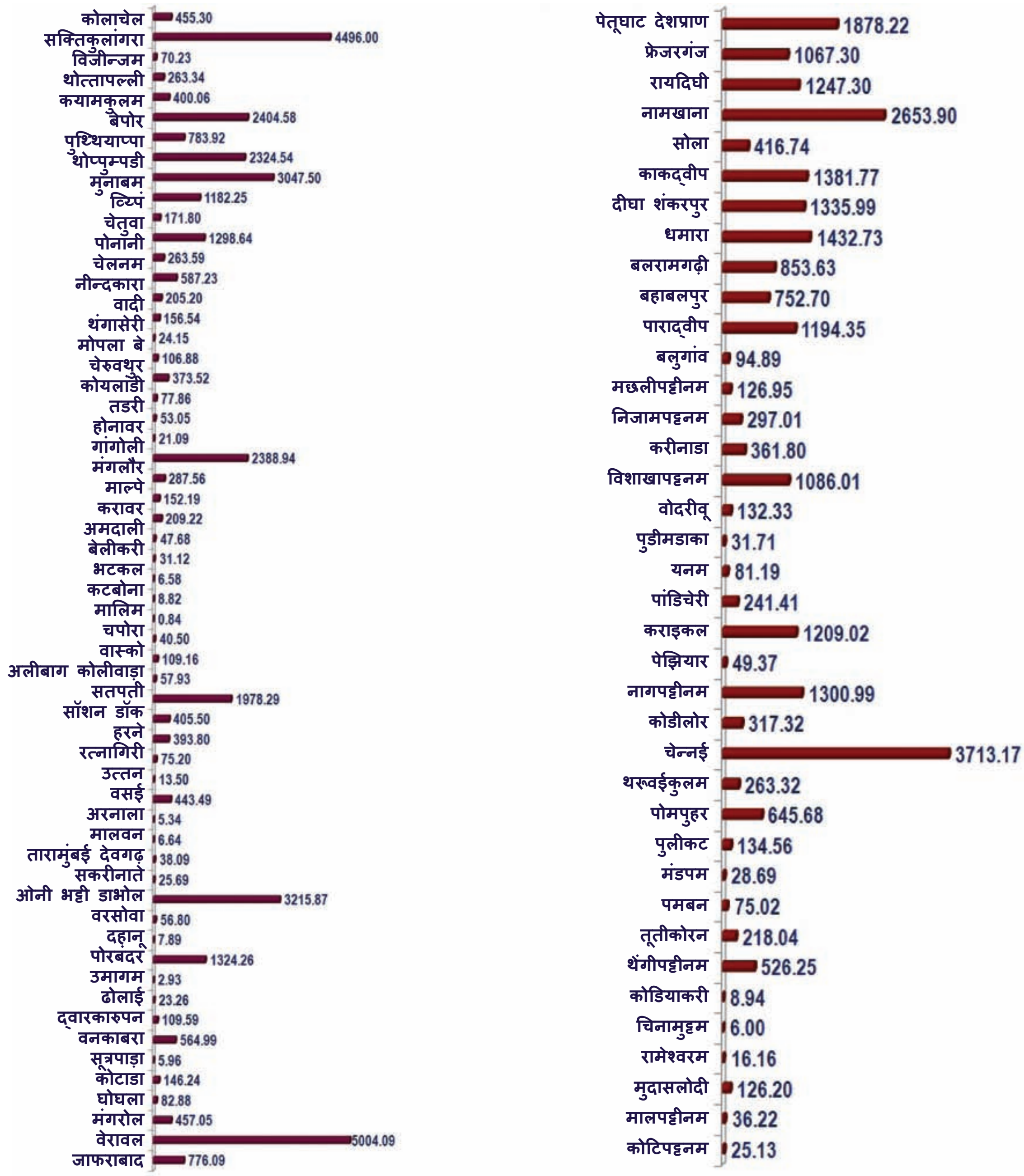

आकृति 5 और 6 में अगस्त, 2019 में पश्चिमी और पूर्वी तट के बंदरगाहों पर मछली की दर्ज आवक (टनों में)

नावों के आगमन का अनुमान

अगस्त, 2019 में कुल 33,673 नौकाओं का कुल आगमन हुआ। इसमें सबसे ज्यादा नौकाओं की आवक सक्तिकुलांगरा बंदरगाह (1,433) पर हुई। इसके बाद नौकाओं का आगमन देशप्राण बंदरगाह पर 1,122 नौकाओं का आगमन हुआ। नीनदकारा बंदरगाह पर 1,118 नौकाओं का आगमन हुआ। इस महीने में सबसे कम नौकाओँ की आवक चिनमुट्टम बंदरगाह पर (3) दर्ज की गई थी।

सारांश

अगस्त, 2019 में भारत के 96 प्रमुख मछली बंदरगाहों पर समुद्री मछली की 62,639.18 टन आवक दर्ज की गई। इसमें सबसे ज्यादा शैलफिश का योगदान रहा। प्रजातियों में सबसे ज्यादा करीकाडी श्रिम्प की आवक दर्ज की गई थी। पूर्वी तट और दक्षिण पश्चिम तट से 20 फीसद अधिक मछली का आवक पश्चिमी तट पर हुई थी। इस महीने में सबसे ज्यादा आवक केरल में दर्ज की गई। बंदरगाहों में सबसे ज्यादा मछली की आवक गुजरात के वेरावल बंदरगाह पर हुई। इस महीने में 33.673 नौकाओं की आवक दर्ज की गई जिसमें सक्तिकुलांगरा में सबसे अधिक नौकाओं की आवक दर्ज की गई।

कोच्चि बंदरगाह पर सीफूड इंडिया सिग्नेचर स्टॉल खोला एमपीईडीए ने

सीफूड इंडिया सिग्नेचर स्टॉल के उद्घाटन का नजारा।

एमपीईडीए ने अपना दूसरा सिग्नेचर स्टॉल कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 3 अक्टूबर, 2019 को खोला। यह स्टॉल सीफूड इंडिया अभियान के तहत खोला गया। इस अभियान की शुरुआत 10 माह पहले हुई थी।

शहर से 40 किलोमीटर दूर उत्तर में नेदुमबसरी में हवाई अड्डे परिसर के अंदर इस स्टॉल को खोला गया है। इस स्टॉल में 10 निर्यातकों के रेडी टू कूक और रेडी टू इट मूल्यवर्धित उत्पाद बेचे जाएंगे।

एमपीईडीए ने सीफूड इंडिया सिग्नेचर स्टॉल की शुरुआत बीते साल दिसंबर से हुई थी जब केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री श्री.सुरेश प्रभु ने अर्नाकुलम के पन्नम्पिल्ली नगर में 1700 वर्ग फूट में स्टॉल का उद्घाटन किया था। इस पहल के तहत दूसरे चरण के तहत हवाईअड्डे परिसर में स्टॉल की शुरुआत की गई है। एमपीईडीए चेयरमैन श्री के. एस. श्रीनिवास आईएएस ने इस स्टॉल का उद्घाटन करते हुए कहा कि एमपीईडीए ने भारत के समुद्री खाद्य संवर्धन अभियान के लिए कोच्चि बंदरगाह पर सिग्नेचर स्टॉल की शुरुआत की है। हवाई अड्डे पर इस स्टॉल की शुरुआत करने का महत्व इसलिए है क्योंकि यहां अंतरराष्ट्रीय पर्यटक और अप्रवासी केरल के निवासी आते हैं। उन्होंने कहा "हालांकि एमपीईडीए के सिग्नेचर स्टॉल घरेलू उपभोक्ताओं को निर्यातोन्मुख मूल्यवर्धित उत्पादों से रूबरू होने का अवसर भी मुहैया करवाएगा।"

पनमपिल्ली नगर स्थित सीफूड इंडिया स्टॉल में देश भर की कंपनियों के तकरीबन 100 मूल्यवर्धित उत्पाद हैं। इनमें रेडी टू इट, रेडी टू फ्राई और रेडी टू कूक उत्पाद शामिल हैं।

श्रीनिवास ने कहा कि एमपीईडीए अन्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर इसी तरह के सिग्नेचर स्टॉल स्थापित करेगा।

पनमपिल्ली नगर स्थित एमपीईडीए के मुख्यालय स्थित सीफूड इंडिया स्टॉल में प्रमुख मत्स्य उत्पाद शोध संस्थानों जैसे सीएमएफआरआई, सीआईएफटी और एनआईएफपीएचएटीटी के विकसित उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। इसके अलावा निर्यातकों के मूल्यवर्धित मत्स्य उत्पादों को भी प्रदर्शित किया गया है। इस स्टॉल में एमपीईडीए और इसकी सोसायटी जैसे नेटफिश, आरजीसीए और एनएसीएसए की गतिविधियों से संबंधित प्रकाशित सामग्री उपलब्ध है। स्टॉल के सूचना कियोस्क है जहां से हर उत्पाद की जानकारी ब्राउज कर सकते हैं। इसके अलावा उत्पादों, प्रसंस्करण, पकाने के तरीके और उसके पौष्टिक तत्वों की जानकारी दी जाती है।

केंद्रीय सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत 1972 में स्वायत्त संस्था के तौर पर एमपीईडीए की स्थापना की गई थी। यह केंद्र और राज्य सरकारों के मत्स्य उत्पादों से संबंधित निकायों व उनसे जुड़े संगठनों से समन्वय रखती है। यह मत्स्य उत्पादों का निर्यात बढ़ाने के लिए मछली पकड़ने, जलीय कृषि, प्रसंस्करण, विपणन, विस्तार, गुणवत्ता सुनिश्चित करने, शोध व विकास और प्रशिक्षण के कार्यक्रम आयोजित करती है।

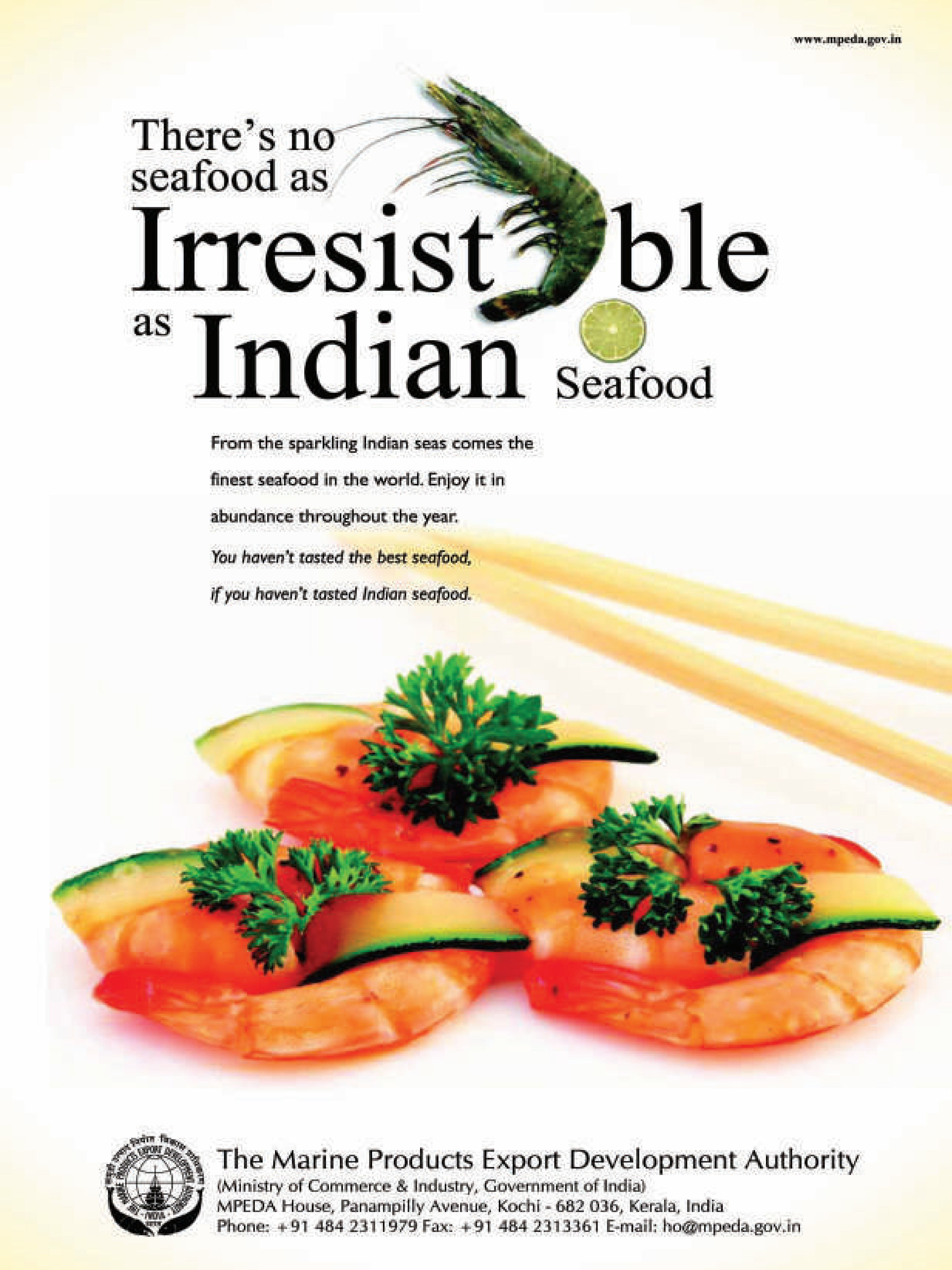
www.mpeda.gov.in
There's no seafood as Irresistible as Indian Seafood
From the sparkling Indian seas comes the finest seafood in the world. Enjoy it in abundance throughout the year.
You haven't tasted the best seafood, if you haven't tasted Indian seafood.
The Marine Products Export Development Authority
(Ministry of Commerce & Industry, Government of India)
MPEDA House, Panampilly Avenue, Kochi - 682 036, Kerala, India
Phone: +91 484 2311979 Fax: +91 484 2313361 E-mail: ho@mpeda.gov.in

इंडिया इंटरनेशनल सीफूड शो 2020 का आयोजन करेगा

समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) भारतीय सीफूड एक्सपोर्ट्स एसोसिएशन के सहयोग से 22वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय सीफूड शो का आयोजन केरल के कोच्चि स्थित होटल ग्रांड हयात में 7 से 9 फरवरी, 2020 तक करेगा। दो साल में होने वाला सीफूड का यह कार्यक्रम दुनिया भर के सबसे सम्मानित कार्यक्रमों में से एक है।

इस कार्यक्रम में 350 से अधिक स्टॉल होंगे जिसमें समुद्री खाद्य के प्रसंस्करण से पूर्व के कई तरीकों, प्रसंस्करण और भंडारण की तकनीकों को प्रदर्शित किया जाएगा। यह समुद्री खाद्य के आयातकों और निर्यातकों के लिए परस्पर संवाद के एक आदर्श मंच की भूमिका निभाएगा। आईआईएसएस 2020 में भारत और विदेश के 5000 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इस कार्यक्रम में समुद्री खाद्य के प्रमुख खरीदार, रिटेलर व खाद्य सेवा क्षेत्र के विशेषज्ञ, थोकविक्रेता, वितरक, प्रसंस्करकर्ता, पैकेजिंग क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले लोग, मशीनरी/यंत्र, कोल्ड स्टोरेज, आयातक व निर्यातक, बैंकर्स, निवेशक, शीपिंग लाइन से संबंधित लोग, कारगो व लॉजिक्टिक्स, तकनीक विशेषज्ञ व नीति निर्माता हिस्सा लेंगे।

कोच्चि को सैकड़ों सालों से समुद्र तट की सुंदरता, बहुसंस्कृतिवाद और भारतीय मसालों के केंद्र के रूप में जाना जाता है। इस शहर को अरब सागर की रानी के नाम से भी जाना जाता है। इस शहर में आधुनितकता के साथ परंपर का समन्वय है।

ऑनलाइन इंटरनेशनल ट्रेवल गाइड 'लोनली प्लेनट' ने कोच्चि को साल 2020 के शीर्ष 10 गंतव्यों में शामिल किया था। देश के सबसे बड़े आयोजन स्थलों में से एक लूलू बोलगटी इंटरनेशनल कंवेंशन सेंटर है जो एक द्वीप पर बना हुआ है और यहां शानदार बैकवॉटर व शहर का अद्भुत नजारा है।

भारत के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत की तटीय रेखा 8000 किलोमीटर से लंबी है
- समुद्री खाद्य का निर्यात 7 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक होता है
- तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक
- समुद्री खाद्य का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक
- अमेरिका को सबसे ज्यादा श्रिम्प की आपूर्ति करने वाला

22ND INDIA INTERNATIONAL

INDIA INTERNATIONAL

Custom Made Stalls and Machinery - Hanger 60 x 80 m

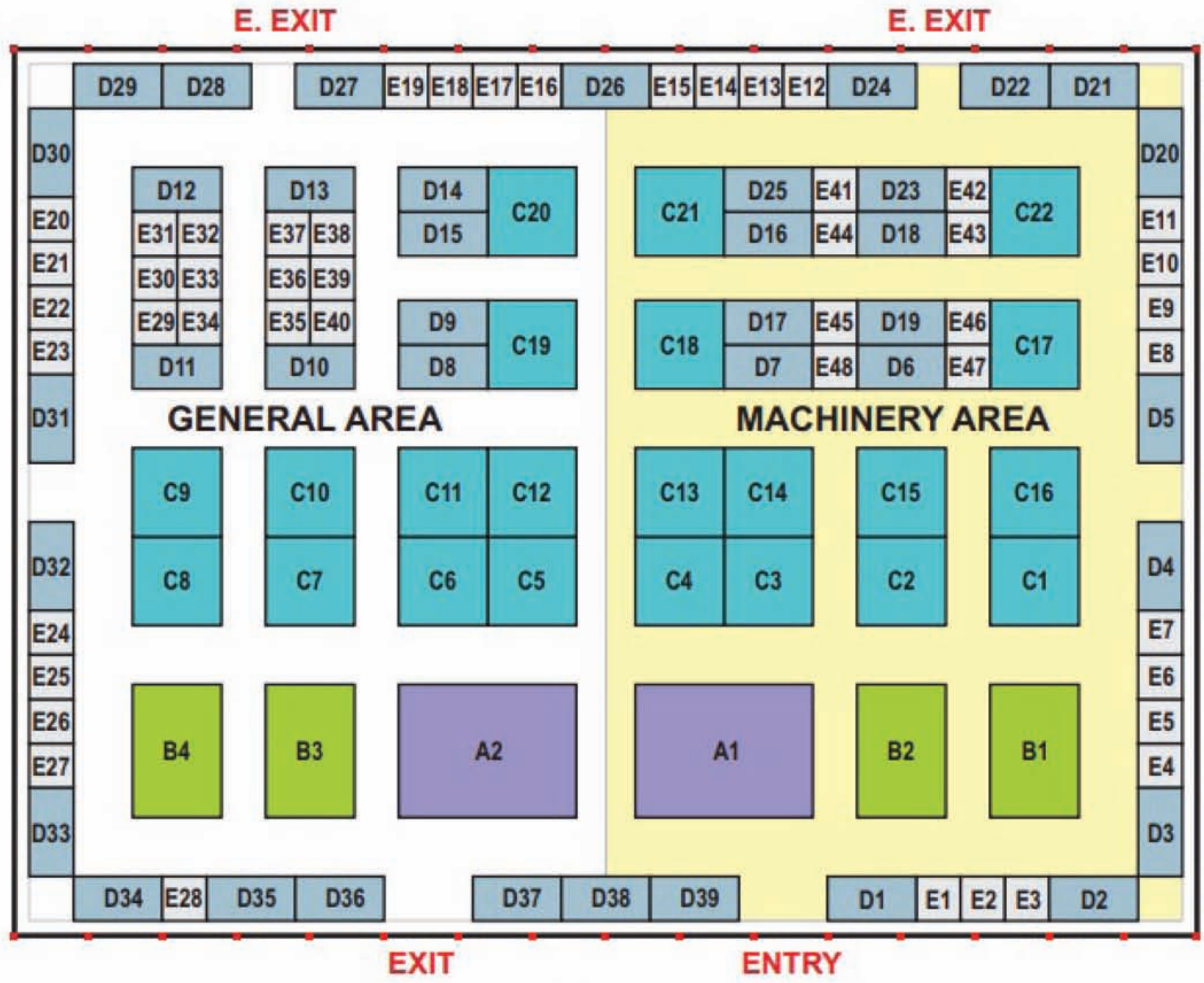

- A - 12 X 9 - 2 NOS - 216 Sqm
- B - 9 X 6 - 04 NOS - 216 Sqm
- C - 6 X 6 - 22 NOS - 792 Sqm
- D - 6 X 3 - 39 NOS - 702 Sqm
- E - 3 X 3 - 48 NOS - 432 Sqm

Total - 115 NOS - 2358 Sqm

22nd INDIA INTERNATIONAL SEAFOOD SHOW 2020

SEAFOOD SHOW 2020

SEAFOOD SHOW - LAYOUT

Shell Scheme Stalls only - Exhibition Hall 35 x 55 m

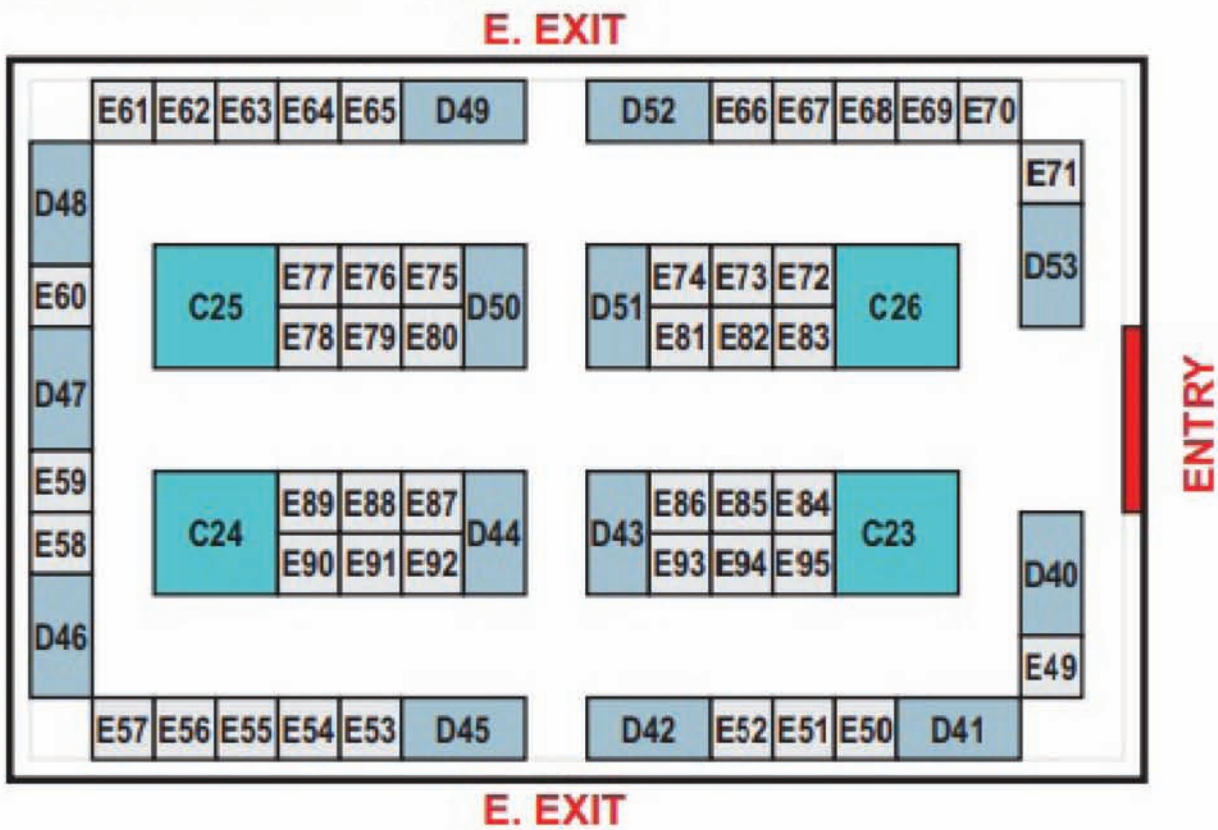

C - 6 X 6 - 04 NOS - 144 Sqm

D - 6 X 3 - 14 NOS - 252 Sqm

E - 3 X 3 - 47 NOS - 423 Sqm

Total - 65 NOS - 819 Sqm

“आंध्र प्रदेश में समुद्री मछली के प्रबंधन को और बेहतर बनाने” पर परामर्श कार्यशाला

भारतीय समुद्र के समृद्ध मत्स्य उत्पाद घटने की सूचना आई है जिसका कारण जलवायु परिवर्तन बताया जा रहा है। अवैध और बेलगाम ढंग से मछली पकड़ने के कारण यह स्थिति गंभीर हो गई है। लिहाजा अब समय यह आ गया है कि हर राज्य अपनी सीमा से लगते समुद्र के जल में मछली पकड़ने के दबाव को नियंत्रित करने के लिए यथार्थ में उपाय करे। इस गंभीर स्थिति को भांपते हुए केरल सरकार ने ‘केरल के समुद्री मछली नियामक अधिनियम 1980’ को संशोधित किया जिसमें कई नियंत्रण के लिए कई उचित इंतजाम किए गए हैं ताकि मछली पकड़ने के उत्तरदायी क्रियाकलापों से इस क्षेत्र में चिरस्थायी मछली प्राप्त करने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। केरल के उपायों को अन्य समुद्र तटीय राज्यों को भी अपनाना चाहिए क्योंकि यह हमारा सामूहिक उत्तरदायित्व है कि हमारे समृद्ध संसाधन भविष्य में कम नहीं हों।

प्रस्तुति देते नेटफिश के मुख्य कार्यकारी डॉ. जॉयस वी. थॉमस।

इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए नेटफिश ने आंध्र प्रदेश के मत्स्य् विभाग के सहयोग से करीनाडा के जगनीकप्पर स्थित राज्य मत्स्य तकनीक के संस्थान में 20 अगस्त, 2019 को ‘आंध्र प्रदेश में समुद्री मत्स्य के प्रबंधन को और बेहतर बनाने’ पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला का ध्येय मत्स्य क्षेत्र के सभी प्रमुख साझेदार समूहों, राज्य के मत्स्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और मत्स्य शोध संस्थान के वैज्ञानिकों को एक मंच मुहैया करवाना था ताकि वे आंध्र प्रदेश में समुद्री मछली के नियामक अधिनियम (एपीएमएफआरए) 1994 में संशोधन के लिए विचार-विमर्श करें।

इसमें आंध्र प्रदेश मत्स्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सहायक निदेशक, संयुक्त निदेशक, उपनिदेशक और सहायक निदेशकों, विशाखापट्टनम स्थित सीआईएफटी के प्रधान वैज्ञानिक, विशाखापट्टनम स्थित सीएमएफआरआई के तीन वैज्ञानिक, एमपीईडीए के उपक्षेत्रीय डिवीजन भीमावरम के सहायक निदेशक, नेटफिश के मुख्य कार्यकारी, सभी प्रमुख मछली बंदरगाहों और मछली के लैंडिंग सेंटरों में विशेष रूप से विशाखापट्टनम, करीनाडा, मछलीपट्टीनम और निजामपट्नम के मैकेनिजाइड व मोटराइज्ड फिशिंग बोट ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्षों व सचिवों ने हिस्सा लिया। इस कार्यशाला में विजीन्जम और अन्य जिलों के नौका मालिकों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया और परिचर्चा की।

नेटफिश के राज्य समन्वयक श्री पी. हनुमंता राव ने कार्यशाला में उपस्थित होने वाले लोगों का स्वागत किया और उन्हें इस कार्यशाला के महत्व व उद्देश्यों के बारे में बताया। उन्होंने अनुरोध किया कि प्रतिभागी चिरस्थायी ढंग से मत्स्य पकड़ने के संवर्द्धन के लिए एपीएमएफआर अधिनियम के बारे में चर्चा कर लाभदायक सिफारिशें दें ताकि इस अधिनियम को संशोधित करने का प्रयास किया जाए।

उद्घाटन भाषण में आंध्र प्रदेश के मत्स्य सहायक निदेशक श्री पी. कोटेश्वर राव ने कहा कि आंध्र प्रदेश को समृद्ध मत्स्य संसाधनों का आशीर्वाद है। भारत में इसकी दूसरी सबसे लंबी तट रेखा है जो 974 किलोमीटर है। आंध्र प्रदेश की तटरेखा बंगाल की खाड़ी के साथ साथ फैली हुई है। उन्होंने घटते समुद्री संस्थानों पर अपनी चिंताएं व्यक्त कीं। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले के संयुक्त निदेशख डॉ. वी. वेंकटेश्वर राव ने कहा कि मछली पकड़ने के तरीकों को नियंत्रित करने के लिए यह जरूरी समय हो गया है।

विशाखापट्टनम स्थित मत्स्य तकनीक के केंद्रीय संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रघु प्रकाश ने साझेदारों को संबोधित करते हुए कहा कि सीआईएफटी के शोधपत्रों व इसके परिणामों के अनुसार मछली पकड़ने के तरीकों के कारण आंध्र प्रदेश में वर्तमान एपीएमएफआर अधिनियम को संशोधित करने की आवश्यकता है। विशाखापट्टनम स्थित केंद्रीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान के डॉ. मानस ने आंध्र प्रदेश की तटीय रेखा में मछलियों के भंडार और इसके रखरखाव के तरीकों पर प्रकाश डाला।

उद्घाटन सत्र के बाद श्री वेंकट राव ने वर्तमान एपीएमएफआर अधिनियम पर प्रस्तुति देकर उसके बारे में समझाया। इस अधिनियम में ट्रावल नेट कोड एंड मेश साइज, मत्स्य नौकाओं के पंजीकरण और मत्स्य लाइसेंस फीस आदि की संशोधन की जरूरत के बारे में बताया। नेटफिश के मुख्य कार्यकारी डॉ. जॉयस वी. थॉमस ने प्रस्तुति दी। उन्होंने प्रस्तुति में 'केरल समुद्र तटीय नियामक (संशोधन) अधिनियम 2017' और 'केरल में समुद्री मछली के नियामक कानूनों 2018' के अंतर्गत नौका के आकार, इंजन के हार्सपॉवर, गीयर के आकार, मेश के आकार, कानूनी रूप से न्यूनतम आकार, मत्स्य प्रबंधन काउंसिल की स्थापना, पोतों की निगरानी सिस्टम को लागू करने (वीएमएस) आदि के बारे में प्रतिभागियों को बताया। उन्होंने कहा कि केरल में यह संशोधन राज्य में उपलब्ध मत्स्य नौकाओं और प्रजातियों को ध्यान में रखकर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह संशोधन आंध्र प्रदेश के लिए एक जैसे नहीं हो सकते हैं। इसलिए उन्होंने अनुरोध किया कि आंध्र प्रदेश की जरूरतों के अनुसार मत्स्य से जुड़ें उपबंधों में संशोधन किया जाए।

प्रस्तुतियों के बाद एमएफआरए के विभिन्न अधिसूचित नियामकों पर चर्चा की गई। सभी प्रमुख साझेदारों ने केएमएफआर अधिनियम की तर्ज पर वर्तमान एपीएमएफआर अधिनियम को संशोधित करने की जोरदार ढंग से सिफारिश की। साझेदार इस पर सहमत हुए कि मिनिमम लीगल साइज (एमएलएस) को लागू किया जाए, नौकाओं के पंजीकरण और मछली पकड़ने के शुल्क को तार्किक ढंग से बढ़ाया जाए, मत्स्य नौका के आकार को नियंत्रित आदि किया जाए। साझेदारों ने यह सुझाव भी दिया कि आंध्र प्रदेश का मत्स्य विभगा एपीएमएफआर के संशोधन को पूरी तरह अंतिम रूप देने से पहले नेटफिश के सहयोग से क्षेत्रीय या बंदरगाह स्तर पर बैठकें आयोजित करे।

इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए कार्यशाला में उपस्थित हुए सभी प्रतिभागियों व गणमान्य लोगों के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया। यह नेटफिश की सफलता थी कि वह कार्यशाला में सभी प्रतिभागी समूहों को प्रतिनिधित्व देने के लिए एकत्रित कर पाई। इस कार्यशाला के लिए राज्य मत्स्य विभाग ने भी अत्यधिक सहयोग दिया था। इसमें प्रतिभागियों ने महसूस किया कि यह कार्यशाला बेहतरीन ढंग से आयोजित की गई थी, सूचनात्मक थी और मत्स्य क्षेत्र की बेहतरी के लिए थी। इस कार्यशाला ने चर्चा और विचारों के आदान-प्रदान के लिए बेहतरीन मंच मुहैया करवाया। सभी प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला के इंतजाम करने के लिए नेटफिश-एमपीईडीए की तारीफ की। भविष्य में होने वाली क्षेत्रीय स्तर की बैठकों और इस साल में प्रस्तावित राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में भी इस कार्यशाला के प्रतिभागियों के फीडबैक और सुझावों पर ध्यान दिया जाएगा।

कार्यशाल में एक अपने विचार व्यक्त करता एक प्रतिनिधि।

नेटफिश-एमपीईडीए का 'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2019'

कैप्शन-कुड्डालोर में स्वच्छता अभियान में हिस्सा लेते प्रतिभागी।

बंदरगाहों और समीपवर्ती तटों पर 11 सितंबर 2019 से 2 अक्टूबर 2019 तक 'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2019' आयोजित किया गया। इसका थीम 'प्लास्टिक कूड़ा प्रबंधन' था। प्लास्टिक कूड़ा श्रमदान के जरिए एकत्रित किया गया जो नेटफिश समय-समय पर मुख्यतौर पर आयोजित करती है। इस कार्यक्रम में जागरूकता बढ़ाई जाती है जिसके लिए बैठकें, रैलियां, घर घर संपर्क आदि आयोजित किया जाता है। इसके अलावा तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गुजरात, ओड़ीशा और पश्चिम बंगाल के चुनिंदा तटीय क्षेत्रों में प्लास्टिक कूड़े को साफ किया जाता है।

उत्तरी तमिलनाडु

कुड्डालोर के सिल्वर बीच में स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। कुड्डालोर के पेरियार आर्टस एंड साइंस कॉलेज में 21 सितंबर, 2019 को तमिलनाडु के उत्तरी क्षेत्र के लिए जागरूकता बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कुड्डालोर पेरियार ऑर्टस एंड साइंस कालेज के छात्रों, मछुआरा समुदाय के युवाओं सहित 110 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कुड्डालोर के देवानामट्टनम फिश लैंडिंग केंद्र के सिल्वर बीच पर स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पेरियार सरकारी आटर्स कॉलेज के नेहरू युवा क्लब के छात्रों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर आर. उलगी ने स्वच्छता कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले लोगों को टी-शर्ट, दस्ताने और प्लास्टिक के थैले वितरित किए गए थे। उन्होंने 20 बैग प्लास्टिक एकत्रित किया जिसमें प्लास्टिक का कचरा, ग्लास के टुकड़े, चप्पल, खाली बोतलें आदि एकत्रित की गई थीं। स्वच्छता अभियान में हिस्सा लेने वालों ने दो घंटे कार्य करके 620 किलोग्राम प्लास्टिक का कूड़ा एकत्रित किया। इस कार्यक्रम में कुड्डालोर की सब क्लेक्टर सुश्री के. एम. सरायू ने भी हिस्सा लिया।

स्वच्छता अभियान के तहत सार्वजनिक बैठक भी आयोजित की गई। इसमें नेटफिश, एससीओ के डॉ. आर बालासुब्रमण्यम ने स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला और देश भर में नेटफिश की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कुड्डालोर मैकेनाइज्ड बोट ओनर्स एसोसिएशन ने कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रशंसा की।

कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिए गए। नेटफिश के एनजीओ सदस्य व एसओएचईएस के सचिव श्री एम. ए. सेकर ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। यह कार्यक्रम कोड़डालोर के ग्रामीण समुदाय में तटीय क्षेत्र के पर्यावरण की साफ-सफाई के बारे में जागरूकता फैलाने और सिल्वर बीच से कूड़ा व अन्य प्रदूषक तत्व हटाने में सफल रहा। इस कूड़े का समुचित ढंग से निस्तारण करने के लिए नगर निगम के सुपुर्द किया गया।

तमिलनाडु दक्षिण

नेटफिश ने तमिलनाडु के दक्षिण क्षेत्र में 'स्वच्छता ही सेवा 2019' को मनाने के साथ 'अंतरराष्ट्रीय तट का स्वच्छता दिवस 2019' मनाया। यह कार्यक्रम रामेश्वरम के संगुमल बीच पर 21 सितंबर, 2019 को मनाया गया। इस कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान संस्थान (एनसीसीआर), साउथ एशिया कॉपरेटिव इंवायरमेंटल प्रोग्राम (एसएसीईपी) और एमएसएसआरएफ ने साझा पहल की थी।

नेटफिश के राज्य समन्वयक डॉ. विनोथ रविंद्रन ने प्रदूषण फैलाने वाले प्लास्टिक और समुद्री जीवों पर पड़ने वाले इसके दुष्प्रभाव के बारे में परिचय दिया। एमएसएसआरएफ के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. वेलविझी ने प्रदूषण से समुद्र और तटीय पर्यावरण को बचाने में आम लोगों के महत्व पर प्रकाश डाला। सीएमएफआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जॉनसन, भारतीयन नौसेना के कमांडर ए.के. डैश और पर्यटन अधिकारी श्री वेंकटचलापेथ्थी ने साफ सुथरे समुद्र तट के महत्व पर प्रकाश डाला। मछुआरों के पांच गांव के प्रतिनिधियों, अलागप्पा सांध्य कालेज के छात्रों, एनजीओ, युवा प्रतिभागियों, नौसेना के अधिकारियों, मत्स्य अधिकारियों, एमएसएसआरएफ के स्टॉफ और उपभोक्ता संगठनों सहित 160 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने पट्टियों हाथ में लेकर साफ-सुथरे तट और प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए नारे लगाए। इस अवसर पर प्रतिज्ञा भी ली गई "कल की हरियाली व बेहतरी के लिए प्लास्टिक का इस्तेमाल ना करें।"

प्रतिभागियों ने एक किलोमीटर में फैले संगुमल बीच से 1.3 टन कूड़ा एकत्रित किया। इसमें प्लास्टिक बैग, कप व बोतलें (300 किलोग्राम), ग्लास की बोतलें (702 किलो), कपड़े (14 किलो), रस्सियां (80 किलो), नौका से फेंके गए थर्माकोल व जाल (66 किलो), चप्पलें (30 किलो) और अन्य सामान (30 किलो) फेंका गया। इस कार्यक्रम को पूरा करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिए गए।

यह कार्यक्रम प्रदूषणरहित तट के महत्व के बारे में मछली पकड़ने के कारोबार से जुड़े समुदायों, स्कूल, कालेज और यूनिवर्सिटी के छात्रों, बीच पर सैर करने आने वाले लोगों और तट के अन्य साझेदारों को शामिल करने और उनमें जागरूकता फैलाने में सफल रहा।

रामेश्वरम में आयोजित स्वच्छता ही सेवा गतिविधियों का नजारा।

पश्चिम बंगाल

कोलकाता नेटफिशन ने 'स्वच्छता ही सेवा 2019' के तहत सड़क पर रैली निकाली, प्लास्टिक के कूड़े पर कक्षा आयोजित की और देशप्राण बंदरगाह पर कूड़े को एकत्रित किया। इस रैली में पूरबा मेदिनीपुर के कोनतेई स्थित किशोरनगर सचिंद्रा शिक्षा सदन के वोकेशनल फिशरीज के कक्षा 12वीं के 22 छात्रों, शिक्षकों, देशप्राण तटीय पुलिस स्टेशन, स्वयंसेवकों, देशप्राण मत्स्य बंदरगाह के विशेष अधिकारी, बंदरगाह अधिकारियों, बंदरगाह के सफाई कर्मचारियों, मछुआरों, देशप्राण के एचडीसी, गैरसरकारी संगठन के सदस्यों सहित 35 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

देशप्राण तटीय पुलिस स्टेशन के ऑफिसर-इन-चार्ज श्री प्रणब कुमार बेरा ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने साफ-सफाई के महत्व और बेहतर समाज बनाने में छात्रों के

योगदान पर प्रकाश डाला। नेटफिश के राज्य समन्वयक श्री अतनु रॉय ने 'स्वच्छता ही सेवा 2019' आयोजित करने के बारे में प्रकाश डाला और प्लास्टिक कूड़े के प्रबंधन पर छात्रों की कक्षा ली।

इस साफ-सफाई अभियान में हिस्सा लेने वालों को दस्ताने, टोपी, कूड़ा एकत्रित करने के लिए थैला आदि मुहैया करवाया गया। प्रतिभागियों ने देशप्राण बंदरगाह परिसर में सक्रिय रूप से सफाई की और प्लास्टिक के थैले, पीईटी की बोतलें, प्लास्टिक कप, थर्मोकोल के टुकड़े, जाल व रस्सी के टुकड़े आदि एकत्रित किए। नालिओं और घाट के इलाके में चूने पाउडर का छिड़काव किया गया। मछली पकड़ने का जाल ठीक करने वाले और मछुआरों से अनुरोध किया गया कि वे क्षेत्र में प्लास्टिक, जाल, थर्मोकोल, बोतलें आदि नहीं छोड़ा करें। ऐसा करने से बंदरगाह साफ-सुथरा व स्वच्छ रहेगा।

पश्चिम बंगाल के देशप्राण में जागरूकता कक्षा और स्वच्छता गतिविधियों का नजारा।

कर्नाटक

कर्नाटक में 'प्लास्टिक के कूड़े के खतरे और इसके प्रबंधन के तरीकों' पर जागरूकता कक्षा और फिर अमदाली मत्स्य बंदरगाह पर 'प्लास्टिक के कूड़े का सफाई कार्यक्रम' 24 सितंबर, 2019 को आयोजित किया गया। इसमें जनता विद्यालय के छात्रों, अमदाली मत्स्य बंदरगाह के मछुआरों और आम लोगों सहित 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। नेटफिश के राज्य समन्वयक श्री नारायण ने स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत प्लास्टिक के कूड़े को साफ करने के उद्देश्य के बारे में बताया। कारवार के प्रोफेसर श्री वसंथ कुमार ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और उन्होंने प्लास्टिक से मानव और पर्यावरण को होने वाले खतरे को उजागर किया। इस अवसर पर मुदगा के मछुआरा कोऑपरेटिव के निदेशक श्री थोकू हरिकंर्ता ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अमदाली के जनता विद्यालय के हेड मास्टर की निगरानी में यह शपथ ली गई कि "कोल्ड ड्रिंक पीने लिए प्लास्टिक के स्ट्रा" का इस्तेमाल नहीं करेंगे। औपचारिक कार्यक्रम के बाद प्रतिभागी छात्रों और आम लोगों ने रैली निकाली जिसमें प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करने के बारे में नारे लगाए गए। मछुआरों की मदद से बंदरगाह परिसर और नीलामी कक्ष की साफ-सफाई की गई। इसके बाद सभी प्रतिभागियों ने नीलामी कक्ष और बंदरगाह के इलाके से प्लास्टिक के कूड़े को एकत्रित किया और इसे बंदरगाह में एक स्थान पर एकत्रित किया।

ओड़ीशा

पारादीप मछली बंदरगाह पर 'स्वच्छता ही सेवा 2019' के तहत नौका चालक सदस्यों को 1 अक्टूबर, 2019 को जागरूक किया गया। इस अभियान का नेतृत्व एमपीईडीए के

कर्नाटक के अमदाली में जागरूकता कक्षा।

सहायक निदेशकों श्री रत्नाकर नायक और सुश्री रेबका जोस, बंदरगाह प्रबंधन सोसायटी के प्रबंधक श्री मधुमाया समल, प्रबंधन सोसायटी के सहायक प्रबंधक श्री गोपाल कृष्ण मोहंती और पारद्वीप के ट्रालर ओनर एसोसिएशन के सचिव श्री सुभाषकुमार राउत के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

प्रतिभागियों को पर्यावरण खासकर समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर एक बार इस्तेमाल किए जाने वाले प्लास्टिक के प्रभाव के बारे में जागरूक किया गया। अभियान के दौरान यह अनुरोध किया गया कि खुले समुद्र में प्लास्टिक की सामग्री जैसे खराब जाल, प्लास्टिक की पानी की बोतलें, पॉलीथिन बैग, प्लास्टिक की टूटी हुई टोकरियां, इंजन ऑयल की प्लास्टिक की बोतलों आदि को नहीं फेंका जाए। उनसे अनुरोध किया गया कि जब वे समुद्र से होकर बंदरगाह पर आया करें तो बंदरगाह में रखे कूड़ेदान में एकत्रित कूड़े को डाला करें। जागरूकता कक्षा के बाद सफाई अभियान शुरू किया गया जिसमें 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन प्रतिभागियों में ट्रालर क्रू के सदस्य और अधिकारियों ने बड़े

ओड़ीशा के पाराद्वीप में बंदरगाह की साफ-सफाई करते लोग।

पैमाने पर प्लास्टिक के कूड़े को एकत्रित किया।

उत्तरी केरल

त्रिसूर जिले के चेतुवा मछली बंदरगाह पर 1 अक्टूबर, 2019 को 'स्वच्छता ही सेवा 2019' अभियान के तहत बंदरगाह पर स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम चेतुवा मछली बंदरगाह के श्रमिक यूनियन कोऑपरेटिव समिति के सहयोग से आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन त्रिसूर जिले के सहायक समन्वयक श्री अमाल ने किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता नेटफिश के मुख्य कार्यकारी डॉ. जॉयस वी थॉमस ने किया। नेटफिश के राज्य समन्वयक राज्य समन्वयक श्री संथोष ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया। चेतुवा फिशिंग बंदरगाह संयुक्त श्रमिक संघ ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया।

बैठक में यह निर्णय किया गया कि बंदरगाह पर एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करके खत्म किया जाएगा। बंदरगाह के थराकन्स एसोसिएशन ने कहा कि भविष्य में होने वाले कार्यक्रमों व बैठकों में चाय के स्टेनलेस स्टील कप मुहैया करवाएगा।

उद्घाटन कार्यक्रम के बाद बंदरगाह के श्रमिकों, सदस्यों और साझेदार समूहों ने सक्रिय रूप से स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। उन्होंने बंदरगाह परिसर में खतपतवार काटी और सभी तरह के ठोस कूड़े को साफ किया। नेटफिश ने स्वच्छता अभियान में हिस्सा लेने वाले विभिन्न श्रमिक यूनियनों के 60 श्रमिकों और विभिन्न साझेदारों को दस्ताने, चेहरे के मास्क, नाश्ता और दोपहर का भोजन मुहैया करवाया।

दक्षिण केरल

केरल यूनिवर्सिटी ऑफ फिशरीज एंड ओशन स्टडीज (केयूएफओएस) की सेवा योजना ने थोप्पमेडी मत्स्य बंदरगाह

चेतुवा में आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते नेटफिश के सीईओ डॉ. जॉयस वी. थॉमस।

पर स्वच्छता अभियान आयोजित किया। जागरूकता अभियान के तहत बंदरगाह की आसपास की बस्तियों में रैली निकाली गई। घर-घर संपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया।

थोप्पमेडी मत्स्य बंदरगाह के श्रमिकों के साथ एनएसएस के

स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर पूरे बंदरगाह के क्षेत्र को पॉलीथिन से मुक्त किया। बंदरगाह पर प्लास्टिक के प्रदूषण के खिलाफ जागरूकता भाषण आयोजित किया गया था।

नेटफिश के सीईओ डॉ. जॉयस वी. थॉमस ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और प्लास्टिक से पर्यावरण व मानव के स्वास्थ्य के प्रभाव पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम का उद्घाटन बंदरगाह की समन्वय समिति के चेयरमैन श्री ए. एम. नौशाद ने किया। नेटफिश की राज्य समन्वयक श्रीमती संगीथा ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया। केयूएफओएस की सहायक प्रोफेसर डॉ. बीनू वर्गीज ने लोगों को सम्मानित किया। स्वच्छता अभियान का समापन एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बिजीश कुमार वी. जे. के धन्यवाद प्रस्ताव से हुआ।

स्वच्छता कार्यक्रम के बाद स्वयंसेवकों, मछुआरों, श्रमिकों और बंदरगाह के श्रमिक संघ की सक्रिय भागीदारी से रैली आयोजित की गई थी। स्वयंसेवकों ने क्षेत्र के श्रमिकों व दुकानदारों को जागरूकता से संबंधित पर्चे दिए। इसके बाद प्रतिभागियों ने मछुआरों के मनेसरी गांव का दौरा किया जहां

केरल के थोप्पमेडी में हुई विभिन्न गतिविधियों का नजारा।

परंपरागत रूप से मछली पकड़ने वाले मछुआरों से उन्होंने संवाद किया। इसके बाद स्वयंसेवक मछुआरों के घर गए। स्वयंसेवकों ने मछुआरों को बताया कि कैसे प्लास्टिक का उचित तरीके से प्रबंधन किया जा सकता है और प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण के खिलाफ जानकारी दी। समुद्र तट के करीब रहने वाले सैकड़ों लोगों ने घर-घर जाकर कार्यक्रम आयोजित किया।

मंगरोल बंदरगाह पर सफाई करते लोग।

गुजरात

गुजरात के मंगरोल मत्स्य बंदरगाह में "स्वच्छता ही सेवा" अभियान के तहत 03 अक्टूबर, 2019 को जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इसके तहत कक्षा आयोजित की गई और बंदरगाह पर स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं। जीएफसीसीए के चेयरमैन श्री वलजीभाई मसानी इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

इस कार्यक्रम में एमपीईडीए के वेरावल क्षेत्रीय डिवीजन के उपनिदेशक श्री राम आधार गुप्ता, मंगरोल के महावीर कोपरेटिव सोसायटी के अध्यक्ष श्री रनछोड़भाई गोसिया, प्राचार्य उकाभाई वाला, परमेश स्कूल के उपप्राचार्य श्री प्रकाशभाई खोरवा, मंगरोल के मत्स्य सहायक उपनिरीक्षक श्री इमतियाज बेलिम भी उपस्थित थे।

नेटफिश के राज्य समन्वक श्री जिगेश विसवादिया ने मंगलोर के परमेश स्कूल के 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों को "प्लास्टिक के कूड़े के प्रबंधन" पर प्रस्तुति दी।

श्री वलीजाभाई मसानी और श्री रणछोड़भाई गोसिया ने प्लास्टिक के इस्तेमाल के फायदे व नुकसान के बारे में समझाया और उन्होंने एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक को रोकने के लिए प्रतिज्ञा ली। श्री राम आधार गुप्ता ने घर में प्लास्टिक के इस्तेमाल को रोकने की जरूरत पर प्रकाश डाला।

इस जागरूकता कार्यक्रम के बाद मंगरोल मछली बंदरगाह पर साफ-सफाई की गतिविधियां आयोजित की गईं। इसमें अधिकारियों, छात्रों और मछुआरों सहित 70 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। बंदरगाह के आसपास के क्षेत्रों से 200 से 250 किलोग्राम प्लास्टिक का कूड़ा एकत्रित किया गया। घर में इस्तेमाल के लिए कपड़े के थैले दिए गए ताकि लोग प्लास्टिक के थैलों का इस्तेमाल नहीं करें। इससे प्लास्टिक के थैलों के खिलाफ जागरूकता अभियान बढ़ेगा।

समुद्री मछली के नियंत्रक अधिनियम पर कार्यशाला

ओड़ीशा समुद्री मछली नियामक अधिनियम 1982 में संशोधन करने के लिए नेटफिश-एमपीईडीए ने भुवेश्वर स्थित रपतानी भवन में 23 सितंबर, 2019 को राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की। इसका ध्येय यह था कि मछली पकड़ने के टिकाऊ तरीकों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न साझेदारों को जागरूक करने के साथ-साथ सरकारी मशीनरी को अधिनियम में संशोधन के लिए आवश्यक कार्रवाई करने में मदद करना। यह कार्यशाला ओड़ीशा के राज्य मत्स्य विभाग के सहयोग से आयोजित की गई। इस कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड ने शत-प्रतिशत आर्थिक मदद मुहैया करवाई।

उद्घाटन भाषण देते ओड़ीशा सरकार के मत्स्य व पशु संसाधन विकास के आयुक्त-सह-सचिव श्री आर. रघु प्रसाद।

इस कार्यशाला का उद्घाटन ओड़ीशा सरकार मत्स्य, पशु संसाधन विकास विभाग के आयुक्त व सचिव (आईएफएस) श्री आर. रघु प्रसाद ने किया। ओड़ीशा सरकार के मत्स्य पालन निदेशक डॉ. एन. थिरूमाला नायक, ओड़ीशा सरकार के निर्यात संवर्द्धन और विपणन निदेशक श्री एस. के. जेना, ओड़ीशा सरकार के मत्स्य (तटीय) के संयुक्त निदेशक श्री प्रदप रंजन राउत, चिल्का विकास प्राधिकरण के मत्स्य व परामर्शक सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक श्री सूर्य कुमार, राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड के भुवेश्वर के प्रभारी अधिकारी इन चार्ज डॉ. मनोज कुमार सिन्हा, पुरी स्थित सीएमएफआरआई के वैज्ञानिक प्रमुख डॉ. सुबल राउल, भुवनेश्वर एमपीईडीए के उपनिदेशक श्रीय यू. सी. मोहपात्रा, पाराद्वीप, बलरामगढ़ और धमारा के मैकेनाइज्ड एंड नॉन मैकेनाइज्ड बोट ओनर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि व नेता, मत्स्य विभाग के अधिकारीगण,एसईएआई, एमपीईडीए, नेटफिश और गैरसरकारी संगठनों के सदस्यों ने इस कार्यशाला में हिस्सा लिया। इस कार्यशाला में विभिन्न अधिकारियों और साझेदारों के साथ तकरीबन 100 लोगों ने हिस्सा लिया। नेटफिश के मुख्य कार्यकारी डॉय जॉयस वी थॉमस ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया।

आईएफएस श्री रघु प्रसाद ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि इस क्षेत्र को नौका निगरानी कार्यक्रमों (वेसल मॉनिटरिंग प्रोग्राम्स) को मजबूत करना होगा ताकि अवैध, अनियंत्रित और बिना लाइसेंस के मछली पकड़ने (आईयूयू) को रोका जा सके। उन्होंने समुद्री संसाधनों के संरक्षण व जैव विविधता के संरक्षण के लिए केरल समुद्री मछली नियामक अधिनियम, 1980 के संशोधन की तर्ज पर ओड़ीशा समुद्री मछली अधिनियम 1982 में कुछ संशोधन करने की जरूरत पर जोर दिया। सचिव ने कहा कि विभाग राष्ट्रीय समुद्री मत्स्य नियामक विधेयक 2019 और ओएमएफआरए के बारे में साझेदारों के परामर्श जानने के लिए राज्य में जगह जगह बैठकें आयोजित करेगा। उन्होंने यह कार्यशाला आयोजित

धन्यवाद प्रस्ताव देते नेटफिश के मुख्य कार्यकारी डॉ. जॉयस वी. थॉमस।

करने के लिए नेटफिश-एमपीईडीए के प्रयासों की सराहना की।

ओड़ीशा के मत्स्य निदेशक आईएएस डॉ. एन तिरुमाला नायक ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में बीती कई सालों से समुद्री मछली के पकड़ने में आ रही गिरावट पर चिंता जताई। उन्होंने सभी साझेदारों से अनुरोध किया कि वे भविष्य की पीढ़ी के जीवनयापन और प्राकृतिक संसाधन को संरक्षित करने के लिए टिकाऊ ढंग से मछली पालन को बढ़ावा देने की खातिर तुरंत कार्रवाई करें। उन्होंने आयोजकों को यह संगोष्ठी आयोजित करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने प्रतिभागियों से संशोधन के लिए अपने सुझाव देने का अनुरोध किया। उन्होंने यह भी कहा कि इस तकनीकी सत्र का सही ढंग से पूरा इस्तेमाल किया जाना चाहिए। निर्यात संवर्द्धन और विपणन के निदेशक, ओड़ीशा एसईएआई के अध्यक्ष, पाराद्वीप व बलरामगढ़ी के ट्रालर्स एसोसिएशंस के अध्यक्षों, पारंपरिक नौकाओं के मालिकों के एसोसिएशन और एसोसिएशन ऑफ फिश प्रोड्यूसर फेडरेशन एसोसिएशन को सम्मानित किया गया।

इस कार्यशाला के दौरान तीन प्रस्तुतियां दी गईं। संयुक्त निदेशक मत्स्य (तटीय) श्री प्रताप रंजन राउट ने 'ओड़ीशा समुद्री मत्स्य नियामक अधिनियम और कानून' पर प्रस्तुति दी। सीडीए के मत्स्य परामर्शक श्री सूर्य कुमार मोहंती ने 'राष्ट्रीय समुद्री मत्स्य पालन (नियामक व प्रबंधन) अधिनियम 2019 : ओएमएफआर अधिनियम के प्रारूप के संशोधन के बारे में राज्य की टिप्पणियों' पर प्रस्तुति दी। नेटफिश कोच्चि के मुख्य कार्यकारी डॉ. जॉयस वी. थॉमस ने 'समुद्री मछली के नियामक अधिनियम में संशोधन केरल मॉडल' के बारे में प्रस्तुति दी। इन प्रस्तुतियों के बाद ओएमएफआरए के विभिन्न नियामकों के बारे में चर्चा की गई।

इस संवाद सत्र की अध्यक्षता डॉ. जॉयस वी. थॉमस, श्री प्रताप रंजन राउत, श्री सूर्य कुमार मोहंती और श्री यूसी मोहपात्रा ने की थी। इन परिचर्चाओं के दौरान साझेदारों ने नेटफिश-एमपीईडीए के भुवनेश्वर में महत्वपूर्ण कार्यशाला आयोजित करने के लिए धन्यवाद दिया। सभी साझेदारों ने राष्ट्रीय मत्स्य कानून के साथ-साथ ओएमएफआरए अधिनियम के बारे में अधिक चर्चा करने के लिए समय मांगा।

इस कार्यशाला ने ओएमएफआरए में संभावित संशोधनों के लिए सिफारिशों तय करने की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस सिफारिशों को तय करने के दौरान राज्य के मछली पकड़ने के प्रोफाइल पर भी ध्यान रखा गया। ओड़ीशा समुद्री मत्स्य (नियामक व प्रबंधन) अधिनियम 2019 पर सभी साझेदारों से चर्चा के लिए इसकी प्रतियां वितरित की गईं। इसके तहत मैकेनाइज्य और नॉन मैकेनाइज्ड बोट ऑपरेटर्स एसोसिएशन से भविष्य में होने वाले वाले संवादों के लिए बालासोर, पाराद्वीप, धमारा, गंजम में राष्ट्रीय समुद्री मत्स्य विधेयक 2019 और ओएमएफआरए पर चर्चा के लिए साझेदारों के साथ बैठकें आयोजित की जाएंगी।

कार्यशाला में दिए गए सुझावों को क्रमबद्ध किया जाएगा और कटक स्थित मत्स्य निदेशक के कार्यालय में होने वाली अंतिम बैठक कार्यशाला से निकल कर आए सुझावों पर चर्चा की जाएगी। मत्स्य विभाग इन सुझावों को सरकार के पास भेजेगा। नेटफिश के राज्य समन्वयक श्री एस. के. मोहपात्रा के धन्यवाद प्रस्ताव से कार्यशाला का समापन हुआ।

'गोवा में समुद्री मछली प्रबंधन की बेहतरी' के लिए राज्य स्तरीय कार्यशाला

नेटफिश ने गोवा मत्स्य विभाग के सहयोग से 30 अक्टूबर, 2019 को गोवा के पट्टो में स्थित कला व संस्कृति निदेशालय में 'गोवा में समुद्री मछली प्रबंधन की बेहतरी' के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। इसका ध्येय गोवा समुद्री मछली नियामक अधिनियम (जीएमएफआरए) 1980 में संशोधन के लिए मत्स्य क्षेत्र से जुड़े सभी साझेदारों को, राज्य के वरिष्ठ मत्स्य अधिकारियों, मत्स्य शोध संस्थानों के वैज्ञानिकों को विचार-विमर्श के लिए एक मंच मुहैया करवाना था। गोवा समुद्री मछली नियामक अधिनियम (जीएमएफआरए) 1980 को बीते साल संशोधित 'केरल समुद्री मछली नियामक अधिनियम 1980' की तर्ज पर बनाए जाने की उम्मीद है।

सुश्री सिद्दि उपाधि ने कार्यशाला के गणमान्य लोगों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। एनजीओ नेटफिश-एमपीईडीए के श्री अनिल गावड़े ने कार्यशाला के बारे में परिचय संबोधन कोंकणी भाषा में दिया। गोवा मत्स्य विभाग की उपनिदेशक श्रीमती स्मृता मजूमदार ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि मछुआरों को पोत निगरानी उपकरणों को मजबूत करने की जरूरत है ताकि गैरकानूनी, अनियंत्रित और गैरसूचित (आईयूयू) मछली पकड़ने को रोका जा सके। उन्होंने केरल समुद्री मत्स्य नियामक अधिनियम 1980 की तर्ज पर गोवा समुद्री मछली नियामक अधिनियम 1980 में कुछ संशोधन करने की जरूरत बताई ताकि समुद्री जैव विविधता और प्रजातियों को संरक्षण किया जा सके। उन्होंने यह कार्यशाला आयोजित करने के लिए नेटफिश-एमपीईडीए को बधाई दी।

नेटफिश के मुख्य कार्यकारी डॉय जॉयस वी. थॉमस ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने बीते कुछ सालों में समुद्री से मछली पकड़ने में गिरावट आने पर चिंता जताई। उन्होंने सभी साझेदारों सहित मछुआरों से अनुरोध किया कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी की आजीविका को सुरक्षित रखने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने की जरूरत है। उन्होंने प्रतिभागियों से अनुरोध किया कि वे तकनीकी सत्रों का पूरा इस्तेमाल करते हुए अपने विचारों को साझा करें। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता गोवा स्थित पणजी के एमपीईडीए के उपनिदेशक असोक कुमार ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि मछली के संरक्षण के साथ साथ मछुआरों को नौका व बंदरगाह पर मछली को साफ सुथरे ढंग से रखना चाहिए। उन्होंने मछुआरों को सलाह दी कि वे एमपीईडीए की योजनाओं के तहत सेटलाइट फोन और स्कवैश मेश कोड एंड्स का लाभ लें। इस अवसर पर गोवा मत्स्य विभाग की सुश्री रोहिता नायक और नेटफिश-एमपीईडीए के एससीओ नारायण के.ए. भी उपस्थित थे।

इन संवादों के दौरान वरिष्ठ अधिकारीगण, वैज्ञानिक आदि भी उपस्थित थे। इनमें गोवा मत्स्य विभाग के उपनिदेशक, सहायक निदेशकों के अलावा एनआईए, एफएसआई और केंद्रीय तटवर्ती आईसीएआर के वैज्ञानिक, नेटफिश के मुख्य कार्यकारी भी उपस्थित थे। इन संवादों के दौरान मछली पकड़ने के प्रमुख लैंडिंग सेंटरों के मैकेनाइज्ड एंड मोटराइज्ड मछली पकड़ने की नौकाओं की एसोसिएशनें, चपोरा, मालिम, वास्को, कटबटन के नौका के मालिक आदि भी उपस्थित थे। इन सभी लोगों ने संवाद में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया।

उद्घाटन सत्र के बाद गोवा मत्स्य विभाग की उपनिदेशक

सुश्री रोहिता नायक ने अभी के जीएमएफआर अधिनियम के बारे में विस्तार से बताते हुए प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि यह समय की जरूरत है कि अधिनियम में ट्राल नेट कोड एंड मेश साइज, मछली पकड़ने की नौकाओं का पंजीकरण, मछली पकड़ने के शुल्क आदि का संशोधन किया जाए।

डॉ. जॉयस वी थॉमस ने 'केरल समुद्री मछली नियामक (संशोधन) अधिनियम 2017' और 'केरल समुद्री मछली नियामक कानून 2018' के तहत नौका के आकार, इंजन के हार्स पॉवर, गीयर के आकार, मैश के आकार, न्यूनतम कानूनी आकार, मत्स्य प्रबंधन काउंसिल, पोत निगरानी सिस्टम आदि पर प्रस्तुति दी।

उन्होंने मछली पकड़ने की नौका और केरल राज्य में मिलने वाली मछलियों की प्रजातियों के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह गोवा राज्य के लिए एक समान नहीं होंगी। इसलिए गोवा की परिस्थितियों और जरूरतों के अनुकूल सिफारिशें की जानी चाहिए। श्रीमती सुमिता मजूमदार ने इस प्रस्तुति का अनुवाद कोंकणी भाषा में किया और उपस्थित लोगों के सवालों के जवाब दिए। इन प्रस्तुतियों के बाद एमएफआरए की विभिन्न नियामक अधिसूचनाओं के बारे में चर्चा की गई।

न्यूनतम वैधानिक आकार (एमएलएस), नौकाओं का पंजीकरण और मछली पकड़ने के शुल्क को तार्किक रूप से बढ़ाना, मछली पकड़ने की नौकाओं के समूह को नियंत्रित करने आदि के प्रभाव से संबंधित सुझावों पर सभी साझेदार सहमत हुए। साझेदारों ने जीएमएफआर अधिनियम को संशोधित करने से पहले और विचार-विमर्श करने के लिए क्षेत्रीय व बंदरगाह स्तर पर बैठकें आयोजित करने का सुझाव दिया।

कार्यशाला में उपस्थित गणमान्य लोगों और प्रतिभागियों के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पारित करने के साथ ही कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यशाला ने इस क्षेत्र के लिए विचार व अनुभवों के आदान प्रदान के लिए बेहतरीन मंच मुहैया करवाया।

प्रतिभागियों ने कार्यशाला के लिए इंतजामों, आतिथ्य व सत्कार और प्रतिबद्धता के लिए नेटफिश-एमपीईडीए का धन्यवाद दिया। इस कार्यशाला से निकल कर आए सुझावों और सिफारिशों पर भविष्य में होने वाली क्षेत्रीय स्तर की बैठकों के साथ साथ इस साल के अंत में प्रस्तावित राष्ट्रीय स्तर की बैठक में विचार किया जाएगा।

इस कार्यशाला के आयोजन व समन्वय में एमपीईडीए का वरिष्ठ स्टाफ श्री दीना नायक, श्री शेष, श्री रोहण, श्री रोशष, सुश्री सुपर्णा, श्री सहराज और श्रीमती संतेश्वरी ने योगदान दिया।

"प्रजातियों के विविधीकरण से पर्यावरण अनुकूल और टिकाऊ जलीय कृषि" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

एमपीईडीए के कोच्चि क्षेत्रीय डिवीजन ने अपने विस्तार कार्यक्रम के तहत "प्रजातियों के विविधीकरण से पर्यावरण अनुकूल और टिकाऊ जलीय कृषि" पर 24 और 26 सितंबर, 2019 को अलाप्पुझा के थ्रीकुनप्पुझा गांव में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इसका ध्येय यह था कि मछली पालन व मछली पकड़ना पहली बार शुरू करने वालों को टिकाऊ और विविधीकृत जलीयकृषि के बारे में जानकारी दी जाए और उन्हें बीएमपी के अपनाने के बारे में जानकारी दी जाए। अलाप्पुझा जिले के 18 किसानों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। प्रतिभागियों को चुनिंदा स्थानों पर अलग अलग जलीय कृषि के तरीकों के बारे में सिखाया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का नजारा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्टॉक के भंडारण, बीज व पानी की गुणवत्ता के प्रबंधन, स्वास्थ्य-बीमारी प्रबंधन, पीएचटी सैम्पलिंग, मछली को पालने के तरीके, पालकर तैयार की गई मछली के प्रबंधन, प्रजातियों जैसे स्कैम्पी, श्रिम्प, सीबॉस, क्रैब, तिलपिया आदि के विपणन के बारे में जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में एमपीईडीए के मछली पालन के स्थान की पंजीकरण योजना और उसके लिए प्रमाणपत्र जारी करने और जलीयकृषि में एंटीबॉयोटिक्स के बेजा इस्तेमाल से संबंधित प्रस्तुतियां भी पेश की गईं। तकनीकी सत्रों का संचालन एमपीईडीए के कोच्चि क्षेत्रीय डिवीजन के अधिकारियों में सहायक निदेशक श्रीमती एल्सम्मा इथाक, फील्ड सुपरवाइजर श्री पी. बिजीमोन, फील्ड सुपरवाइजर श्रीमती मंजूषा के. और मत्स्य विभाग की अलाप्पुझा में सहायक डिवीजनल अधिकारी श्रीमती फातिमा ने किया। प्रतिभागियों को सरकारी मछली पालन केंद्र व प्रशिक्षण केंद्र का दौरा कराया गया।

तकनीकी सत्रों के बाद परस्पर संवाद सत्र का आयोजन हुआ। इसमें एमपीईडीए की कोच्चि क्षेत्रीय डिवीजन की सहायक निदेशक एल्सम्मा इथाक ने परस्पर संवाद सत्र का संचालन किया। इसके बाद प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र व वजीफा वितरित किए गए।

प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र का वितरण

विविधीकृत जलीयकृषि पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

मेट्टुपलायम में प्रतिभागियों को संबोधित करते एमपीईडीए के नागपट्टीनम क्षेत्रीय डिवीजन के सहायक निदेशक श्री के. रेजी मैथ्यू।

तिरुपुर स्थित तिरुमूर्ति बांध और कोयम्बटूर स्थित मेट्टुपलायम में किसानों के लिए विविधीकृत जलीय कृषि पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एमपीईडीए के नागपट्टिनम क्षेत्रीय डिवीजन के सहायक निदेशक श्री के. रेजी मैथ्यू ने तिरुपुर जिले स्थित तिरुमूर्ति बांध में 17 सितंबर, 2019 को प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में निर्यातोन्मुख जलीय कृषि के संवर्द्धन पर प्रकाश डाला। उन्होंने जलीय कृषि में स्थान के चयन और मछली पालन के लिए तालाब बनाने की तकनीक के बारे में बताया। उनके बाद एमपीईडीए के सेवानिवृत्त सहायक निदेशक डॉ. ए. रमासामी ने जलीय कृषि के विविधीकरण, विविधीकरण के लिए प्रजातियों के चयन, मछली पालन के लिए तालाब करने और मछली पालन केंद्र की तकनीकों के बारे में बताया।

पलानी स्थित श्री कमरद्दीन के मत्स्य पालन केंद्र में 18 सितंबर, 2019 को किसानों को दौरा आयोजित किया गया। जहां प्रशिक्षणार्थियों को तालाब के प्रबंधन के तरीकों के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन एमपीईडीए के नागपट्टीनम क्षेत्रीय डिवीजन के डॉ. ए. कन्नान ने निर्यात बढ़ाने के लिए गिफ्ट तिलपिया के महत्व, सीबॉस और ताजे पानी में झींगा की खेती के बारे में कक्षाएं लीं। सहायक निदेशक श्री के. रेजी मैथ्यू ने मछली और झींगा पालन की तकनीकों और उनके आर्थिक आयामों के बारे में बताया। उन्होंने इस सत्र में भाग लेने वाले 22 प्रतिभागियों के पूछे गए सवालों के जवाब भी दिए। श्री मैथ्यू ने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। डॉ. ए. कन्नान ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया और कार्यक्रम का समापन हुआ।

कोयम्बटूर के मेट्टुपलायम में 24 से 26 सितंबर, 2019 को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। श्री के. रेजी मैथ्यू ने प्रतिभागियों का स्वागत और उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने निर्यातोन्मुख जलीय कृषि के संवर्द्धन में एमपीईडीए की भूमिका पर प्रकाश डाला। अगले दिन सत्यामंगलम के किसान श्री मूर्ति के समन्वित मछली पालन केंद्र का किसानों ने दौरा किया। प्रतिभागियों को मत्स्य पालन केंद्र के प्रबंधन के तरीकों के बारे में बताया गया। एमपीईडीए के सेवानिवृत्त सहायक निदेशक डॉ. ए. रामासामी, एमपीईडीए के नागपट्टीनम क्षेत्रीय डिवीजन के एलए डॉ. ए. कन्नान और श्री रेजी ने विभिन्न विषयों पर कक्षाएं लीं। इस सत्र में 20 किसानों ने हिस्सा लिया।

तिरूमूर्ति बांध में सत्र को संबोधित करते एमपीईडीए के नागपट्टीनम के सहायक निदेशक श्री रेजी मैथ्यू। इस अवसर पर एमपीईडीए के सहायक निदेशक डॉ. ए. रामासामी, एमपीईडीए के धारापुरम के मत्स्य अधिकारी श्री सुब्रमण्यम और एमपीईडीए के नागपट्टीनम क्षेत्रीय डिवीजन के डॉ. ए. कन्नान उपस्थित थे।

मेट्टुपलायम के प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित लोग।

तिरुपुर जिले के तिरूमूर्ति बांध में प्रशिक्षण कार्यक्रम का नजारा।

सत्यामंगलम में किसान श्री मूर्ति के समन्वित मत्स्य पालन केंद्र का दौरा करते प्रतिभागी।

पलानी में कमरूद्दीन के गिफ्ट मछली पालन केंद्र का दौरा करते प्रतिभागी।

श्रिम्प और झींगे की पर्यावरण-रक्षित खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

वन्नामी फार्म का क्षेत्रीय भ्रमण

सिंधुदुर्ग जिले के गोलवन गांव में 2 से 6 अक्टूबर 2019 तक अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एमपीईडीए के रत्नागिरी उप-क्षेत्रीय प्रभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय इस कार्यक्रम में किसानों को पर्यावरण-रक्षित श्रिम्प व झींगे की सतत खेती तथा विविध प्रजातियों की जलीय कृषि का प्रशिक्षण दिया गया। गोलवन गांव को प्रकृति ने जलीय कृषि के अनुरूप मीठे और खारे जल का शानदार उपहार दिया है जो कि श्रिम्प की खेती सहित मत्स्य पालन के लिए बहुत उपयुक्त है। यहां नए उद्यमियों के लिए श्रिम्प या झींगे की खेती के साथ-साथ केकड़े या अन्य प्रजाति की मछलियों की खेती की अपार संभावनाएं हैं। साथ ही, निर्यात लायक उत्पादन की क्षमता भी है। इन तमाम संभावनाओं के मद्देनजर यह इलाका शिक्षित युवाओं के साथ-साथ बेरोजगारों को वैकल्पिक आजीविका और रोजगार के अवसर उपलब्ध करा सकता है। इस क्षेत्र में अनुसूचित जाति/जनजाति के परिवार भी बहुतायत में हैं लेकिन वैकल्पिक आजीविका के साधन के रूप में जलीय कृषि के बारे में उनके बीच जानकारी का घोर अभाव है।

इन तमाम पहलुओं को ध्यान में रखते हुए एमपीईडीए के रत्नागिरी उप-क्षेत्रीय प्रभाग ने गोलवन गांव में अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए विशेष रूप से पांच दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इसका उद्देश्य जलीय कृषि के विविधीकरण और चिरस्थायी खेती के बारे में जागरूकता पैदा करना था। कार्यक्रम में इन समुदायों के 24 सदस्यों ने भाग लिया। 2 अक्टूबर, 2019 को गोलवन ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती प्रजना चव्हाण ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन भाषण में उन्होंने गांव में इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एमपीईडीए की सराहना की। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण का सदुपयोग करने और मछली पालन के क्षेत्र में अपना व्यवसाय शुरू करने की सलाह दी। इस अवसर पर संबोधित करने वाले स्थानीय लोगों में प्रगतिशील किसान श्री सुरेश ताम्बे भी थे। इन पांच दिनों के दौरान एमपीईडीए के अधिकारियों और विशेषज्ञों ने संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उपनिदेशक डॉ. टी.आर. गिबिनकुमार और कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ.विष्णुदास आर. गुनागा ने जलीय कृषि के लिए स्थल चयन, तालाब की तैयारी, पानी का गुणवत्ता प्रबंधन, प्रजातियों का चयन, चारा प्रबंधन, रोग प्रबंधन और फसल कटाई पर विस्तृत व्याख्यान दिया। श्रिम्प पालन के अलावा प्रशिक्षुओं को केकड़ा, सीबास, तिलापिया और स्कैम्पी प्रजातियों के पालन के बारे में भी बताया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन मैसर्स ओसवाल उद्योग के तकनीशियन श्री मयूर सारंग और मैसर्स ग्रो बेस्ट फीड की डीलर श्रीमती श्रद्धा अनागोलकर ने व्याख्यान दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे दिन सुबह के सत्र में कॉलेज ऑफ

फिशरीज, रत्नागिरी के प्रोफेसर डॉ. बी.आर. चव्हाण ने 'फ्रेशवाटर केज कल्चर' पर कक्षा ली। सायंकालीन सत्र में निटफिश के सहयोग से 'मूल्य वर्धित मत्स्य उत्पादों' की प्रदर्शनी आयोजित की गई। नागरिक बहुशिक्षा प्रतिष्ठान (एनजीओ) के श्री अनिल गावडे ने श्रिम्प का अचार, फिश कटलेट, फिश फिंगर और कम दाम वाले फिश स्नैक्स इत्यादि मूल्य वर्धित उत्पादों को बनाने के विभिन्न तरीकों का प्रदर्शन किया। आजीविका के लिए वैकल्पिक उद्यम की संभावनाओं से भरे इन मूल्य-वर्धित उत्पादों के बारे में प्रशिक्षुओं ने खूब दिलचस्पी दिखाई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे दिन प्रशिक्षुओं के लिए क्षेत्रीय भ्रमण की व्यवस्था की गई। उन्हें वेंगुरला तालुक के कोचर गांव में श्री राजेश पोपकर के वन्नामेई श्रिम्प फार्म में ले जाया गया। फार्म के केयरटेकर श्री मंडल ने वन्नामेई खेती में शामिल विभिन्न तकनीकों के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षुओं ने वेंगुरला में ही श्री भास्कर राउत के स्वामित्व वाले केकड़े के खेत का भी दौरा किया। श्री राउत ने केकड़ा खेती और नरम खोल वाले केकड़े के उत्पादन में शामिल विभिन्न तकनीकों के बारे में बताया। उन्होंने केकड़े की व्यावसायिक खेती शुरू करने में प्रशिक्षुओं को मदद की भी पेशकश की। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पांचवें दिन विशेषज्ञों के रूप में केकड़ा पालन करने वाले प्रगतिशील किसान श्री जाफर वाडकर और कोल्हापुर के प्रगतिशील किसान श्री अरुण अलसे प्रशिक्षुओं से मुखातिब थे। दोनों ने अपने अपने क्षेत्र के अनुभव साझा किए। श्री अलसे कुरुंदवाड़ अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने किसानों को कृषि स्तर की परामर्शदात्री सेवाओं के अलावा जलीय कृषि व्यवसाय शुरू करने के लिए दीर्घावधि ऋण प्रदान करने का भी आश्वासन दिया। पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 6 अक्टूबर, 2019 को धन्यवाद सत्र के साथ संपन्न हुआ। गोलवन ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती प्रजना चव्हाण ने समापन सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने सामाजिक रूप से पिछड़े समुदायों के लाभ के लिए ऐसे उपयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एमपीईडीए को पुनः धन्यवाद दिया और प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए।

समापन समारोह में प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए

जल की गुणवत्ता का परीक्षण करने वाले उपकरणों को देखते प्रशिक्षु

मूल्य वर्धित उत्पादों के बारे में जानकारी देते प्रशिक्षक

सीएमएफआरआई ने 'डिजाइनर क्लाउनफिश' विकसित की

उत्पादों की विविधता बाजार में मांग बढ़ाती ही है। साथ ही, मछुआरों को बेहतर दाम भी उपलब्ध कराती है। 'सेंट्रल मरीन फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट' (सीएमएफआरआई) के मंडपम क्षेत्रीय केंद्र ने सजावटी मछली की एक नायाब किस्म 'डिजाइनर क्लाउनफिश' विकसित की है। अधिकारियों का कहना है कि चार प्रकार के लक्षणों के साथ इस नई मछली का विकास सजावटी मछली की खेती में बड़ा उछाल पैदा करेगा। हालांकि सीएमएफआरआई स्थानीय मछुआरों को सजावटी मछली की इकाइयां स्थापित करने में पहले ही मदद करता आ रहा है मगर अब उसने 'डिजाइनर क्लाउनफिश' के विकास से ग्रामीण मछुआरों को आजीविका का एक और वैकल्पिक स्रोत उपलब्ध कराया है। इस सजावटी मछली की बाजार में अच्छी-खासी मांग है और मछुआरों को भी उच्च दाम मिलना सुनिश्चित हुआ है। इस मछली का सबसे बड़ा आकर्षण यह है कि यह अलग-अलग लक्षणों के साथ चार तरह की है- पिकासो, प्लेटिनम, टियर ड्रॉप और स्नो फ्लेक। सीएमएफआरआई के वैज्ञानिक (प्रभारी) आर. जयकुमार ने बताया कि हमने बीज उत्पादन प्रोटोकॉल को विकसित और मानकीकृत किया है। प्रोटोकॉल को मानकीकृत करने के पश्चात सीएमएफआरआई ने सजावटी मछली की यूनिटें संचालित करने वाली मछुआरिनों, समुद्री सजावटी मछली के किसानों और समुद्री एक्वेरियम के रखरखाव करने वालों को एक से डेढ़ इंच के लार्वा की आपूर्ति शुरू कर दी।

सीएमएफआरआई ने 'डिजाइनर क्लाउनफिश' की 150 रुपए प्रति मछली की प्रीमियम दर पर बिक्री की जबकि किसानों ने 45 दिन के मत्स्य पालन के बाद इसे प्रति मछली 400 रुपए की कीमत में बेचा। खुले बाजार में यह बहुरंगी मछली 800 रुपए तक बिकी। श्री जयकुमार ने बताया कि कोच्चि स्थित सीएमएफआरआई मुख्यालय में 'मरीन बायोटेक्निकल यूनिट' ने इस सजावटी मछली के लिए विशेष तरह का चारा 'वर्ना' विकसित किया था। छोटे-छोटे दानों के रूप में उपलब्धत यह चारा सजावटी मछली की विभिन्न किस्मों के बेहतर विकास और रंग की तीव्रता में कारगर सिद्ध हुआ।

सजावटी मछली की खेती एक लाभदायक व्यवसाय के रूप में उभरी है। एक्वेरियम रखने का शौक भी लोगों के बीच खूब लोकप्रिय हुआ है। इसे देखते हुए ही स्थानीय मछुआरों को आजीविका के वैकल्पिक साधन के रूप में सजावटी मछली की इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। श्री जयकुमार ने बताया कि सीएमएफआईआई की वित्तीय सहायता से थंगाचीमाडम, पंबन और मंडपम में 20 ऐसी इकाइयां स्थापित की गई हैं। संस्थान ने अनुसूचित जाति उप-योजना (एससीएसपी) के तहत अनुसूचित जाति के लोगों के लाभार्थ 32 लाख रुपए की लागत से पुडुकुडी में पांच और इकाइयां स्थापित करने का प्रस्ताव किया है। उन्होंने बताया कि स्थानीय स्वयं-सहायता समूह शत-प्रतिशत अनुदान के साथ इकाइयां लगाने में दिलचस्पी ले रहे हैं। प्रत्येक इकाई में छह ग्लास टैंक और जीव सुरक्षा प्रणाली होगी।

www.thehindu.com

शैवाल प्रजाति से महासागरों में अम्लता पर नियंत्रण संभव

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीएममएफआरआई) के वैज्ञानिकों ने हरे शैवाल की एक प्रजाति की पहचान की है जो जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्री जल के अम्लीकरण की गति को धीमा कर सकती है। 'जर्नल ऑफ मरीन बायोलॉजिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया' के नवीनतम संस्करण में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार 'शियेटोमोर्फिया एंटेनिना' नामक यह हरा समुद्री शैवाल मोलस्क और समुद्री अर्चिन पर समुद्री जल के अम्लीय प्रभावों को रोकने में सक्षम पाया गया। समुद्री जल का अम्लीकरण मानव निर्मित गतिविधियों के कारण वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) के रिसाव से होता है। इससे समुद्री जल में पीएच स्तर में धीरे-धीरे कमी होने लगती है। 0 से 14 के पैमाने पर पीएच स्तर सात से नीचे आने से पानी अम्लीय हो जाता है, जबकि सात से अधिक पीएच पानी को क्षारीय बनाता है। आईसीएआर-सीएमएफआरआई के अध्ययन से पता चला है कि स्थलीय वनस्पति की तरह, 'शियेटोमोर्फिया एंटेनिना' प्रकाश संश्लेषण के लिए सीओ2 का उपयोग करता है। इस प्रकार यह वातावरण से सीओ2 को हटाता है। संश्लेषण की यह प्रक्रिया समुद्री जल में कार्बन डाइऑक्साइड के प्रभाव को कार्बोनिक एसिड में बदल देती है। तीन सदस्यीय टीम ने समुद्री जल के साथ मृत मोलस्क के बाहरी शेल और समुद्री अर्चिन की विघटन दर का अध्ययन किया। इसके लिए उन्होंने समुद्री शैवाल की उपस्थिति और अनुपस्थिति दोनों स्थितियों में अलग-अलग सीओ2 स्तरों (0, 100, 200, 250 और 300पीपीएम) के साथ समुद्री जल का उपयोग किया। परिणामों से पता चला कि सीओ2 की एकाग्रता में वृद्धि के साथ शेल का वजन कम हो गया है जो दर्शाता है कि मृत संरचनाओं से कार्बोनेट सामग्री विसर्जित हो गई। अध्ययन में कहा गया कि हरे समुद्री शैवाल की इस जैविक दक्षता को प्रकाश संश्लेषण के दौरान सीओ2 के विघटन और अंततः विसर्जन के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

आईसीएआर-सीएमएफआरआई के प्रधान अन्वेषक पी. कलाधरन के अनुसार उच्च स्तर से लड़ने के लिए शैवाल के खोल और रीढ़ के वजन में शुद्ध कटौती में समुद्री शैवाल की भूमिका CO_2 के निम्न स्तर से अधिक थी। यह स्थिति जीवित समुद्री शैवाल बायोमास की मात्रा को अनुकूलित करने की आवश्यकता को इंगित करती है। साथ ही, समुद्र के किनारे अधिक शैवाल बेड की जरूरत पर बल देती है। समुद्र के अम्लीकरण का मुकाबला करने के लिए समुद्री शैवाल की खेती करने की भी आवश्यकता है। महासागरों में बढ़ती अम्लता जलवायु परिवर्तन के परिणामों में से एक है। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) के अनुसार, समुद्र के तापमान में वृद्धि और ऑक्सीजन की कमी समानान्तर रूप से समुद्री जल का अम्लीकरण करती है। यह दोहरी प्रक्रिया समुद्री पारिस्थितिक तंत्र को बदलने, तटीय संरक्षण के उपायों को निष्प्रभावी करने और मत्स्य उद्योग पर विपरीत प्रभाव डालने में सक्षम है। मई में 'स्मिथसोनियन ओशन' द्वारा जारी डेटा ने अनुमान लगाया कि वर्तमान में महासागर 22 मिलियन टन सीओ2 को अवशोषित करते हैं। औद्योगिक युग की शुरुआत (18 वीं शताब्दी के अंत में) से पहले समुद्र की सतह पर औसत पीएच 8.2 के आसपास था जो आज लगभग 8.1 है। 2008 के एक अध्ययन से पता चला है कि 0.1 की एक पीएच ड्रॉप अम्लता में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि करती है।

- www.hindustantimes.com

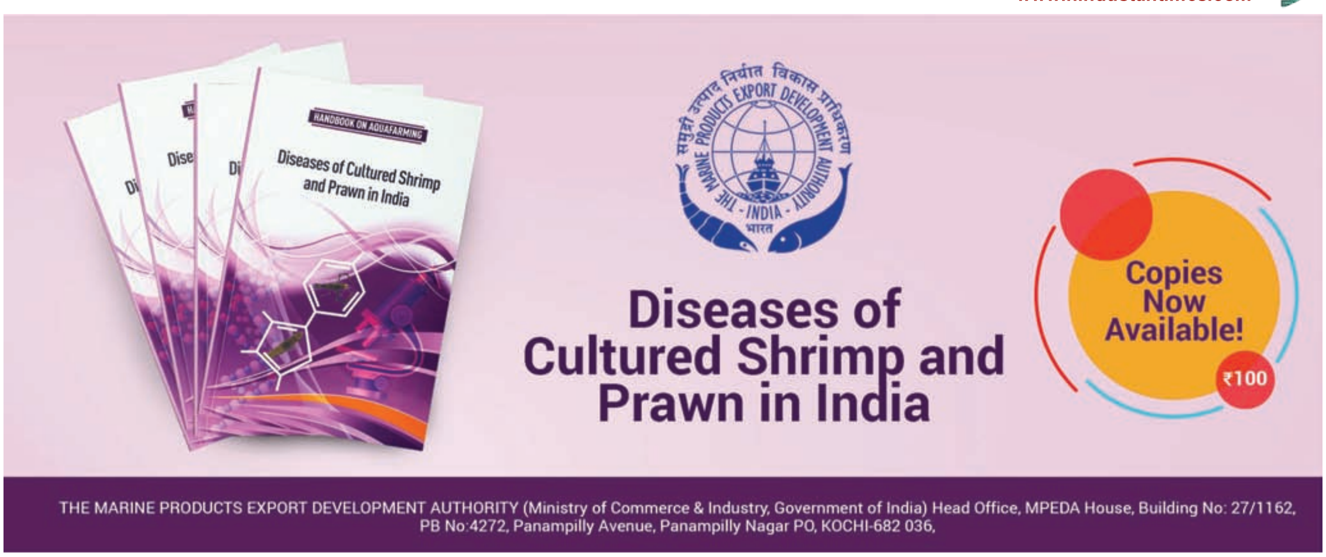

व्यापार पूछताछ प्राप्त की चीन मत्स्य पालन और समुद्री भोजन पर एक्सपो 2019, क़िंगदाओ

श्रिम्प

1. You Guo Zhuang
General Manager
Zhanjiang Ji sheng Trading Co. Ltd.
No.13, Xinshang Road, XiaShan District, Zhanjiang City, Guangdong, Prov. China
Tel: 13828264928, (86)0759-2204926
E-mail: 13828264928@139.com
Frozen Shrimp

2. Wang Hong Jin
Lin Yi Ding Ling Shi Pin You Xian Gong Si, China
Tel: 0539-8665999
Mob: 17305396999
Frozen Shrimp

3. Wang Xiao Chun
Zhou Shan Fu Xin Seafood Co. Ltd.
69 Jia Bi Ke Road, Zhanmao Street, Putuo District, Zhoushan City, 316100, China
Mob: +86 13375806292
E-mail: btzora@hotmail.com
Frozen Shrimp

4. Lareina Wong
Senior Sourcing Supervisor- Asia
General Mills
12F Gubei Fortune Center
No.1438,
HongQiao Rd Shanghai 20036
Tel: (8621) 2223 7551
E-mail: Lareina.Wong@genmills.com
Sea Caught Shrimp

5. Liu Wen
General Manager
Wolf Canyon (Yantai) Trading Limited, 16B15 & 16B16, E-Tong International Plaza, 11 Nan Das Street, Yantai 264000, China
Tel: +86 535-6611291/6610971
Mob: +86 13606456683
E-mail: wolfcychina@163169.net, liuwen@wolfcychina.com
Web: wolfcychina.com
Frozen Shrimp

6. Tiffany Zhao
Assistant
Qingzhou Shanhai Food Trade Co. Ltd. Qingzhou, Shandong Province, China
Tel: +86 15662605783
E-mail: qzxianghao@163.com
Web: www.shanhaishipin.com
Frozen Shrimp

7. Chen XiaoHang
Purchasing Manager
TangShan TongYuan Goods Sell Co. Ltd. Tongyuan Plaza No.188 East Ring Road
Kaiping District, Tangshan City, Hebei Province, 063021, China
Tel: +86 3157973662
Mob: +86 7730502955
E-mail: Chinaibd@163.com
Shrimp

8. Jennifer
Director
Qingdao Sino Ocean Resourcing Co. Ltd. Rm 1304, No. 31, Haier Road, Laoshan District, Qingdao, China
Mob: +86 18663887358
E-mail: quanyangseafood@163.com
Frozen Shrimp

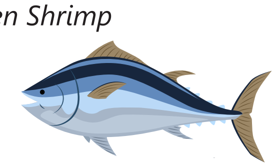

9. Ken
Sales Manager
Asiasea Co. Ltd.
17th Floor, No. 91 Hai Da Bei Jie, Xi Gang District, Dalian, Liaoning
Mob: 18840814315
E-mail: liuenkai@asiasea.cn
Frozen Vannamei Shrimp

10. Suxin Long
Shenyang Jan Yuk.Lung Food Co. Ltd. China
Mob: 15044127979
Frozen Vannamei Shrimp

11. Vivian Sheng
General Manager
Ningbo Dongshen Seafood Co. Ltd.
157 Lane, Qiwen Road, Haishu District, Ningbo City, Zhejiang Province, China
Tel: +86 13867834830
E-mail: dsseafood@126.com
Web: www.dongshenseafood.com
Dried Acetes Shrimp

12. Yolanda Wang
Vice Minister of Global Purchasing Divison
Haidilao International Holding Ltd.
7th Floor, Bld. 1, No.398, Zhongdong Rd, Dongxiaokou Town, ChangPing District, Beijing, China- 102218
Mob: +86 18910082040
E-mail: wangyl@haidilao.com
Frozen Shrimp

13. Yu Yi
Zhejiang Haizhiwei Aquatic Products Co. Ltd. (Wenling Branch)
Yingbin Avenue, Songmen, Wenling, Zhejiang, China
Tel: 0086 576 86661098
Mob: +86 18717968519
E-mail: yuyi1314xf@126.com

Web: www.haizhiwei.com
Frozen Vannamei Shrimp

14. Nikki
Shenyang Brother Trading Company Ltd.
China Liaoning Shenyang Yuhong Aquatic Product Wholesale Market
Tel: +86 15140101833
E-mail: Nikki.Zhang.China@hotmail.com
Brine Frozen Shrimp

15. Shenzhen Zhongyu
Investment Holdings Co. Ltd.
China
Tel: 13378656637
E-mail: guitao.yang@globalfishnet.com
Web: www.globalfishnet.cn
Freeze Dried Shrimp

16. Kevin
Vice General Manager
Shenzhen Fishnet Business Management Co. Ltd.
No.85, aizi Road,
Nanshan District, Shenzhen
Mob: 18680222228
E-mail: Kevin@globalfishnet.com
Web: www.globalfishnet.com
Frozen Vannamei Shrimp

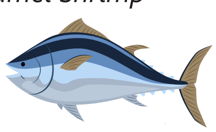

17. Jack Lee
Purchasing Manager
XianMeiLai Food Co. Ltd.
No.16, Kesheng Road, Industrial Park, Beihai City, Guangxi Province, China- 536000
Mob: 13591183901
E-mail: lt@zghysc.com
Shrimp

18. Jade Lee
Marketing Manager
John & Lee International Ltd.
Unit B8/F,
Henfa Commercial Bldg,
348-350 Lockhart Road,
Wanchai, Hongkong
Tel: +852 23118813
Mob: +8613650906194
E-mail: Jade@jandl.com.cn
Frozen Shrimp

19. Susan Tong
Business Developer
IKEA Purchasing Service (China) Co. Ltd. Shanghai Branch
1-7F, Building 3C, No. 195
Longtian Road,
Xuhui District, Shanghai,
China – 200235
Tel: +86-2124265553
Mob: +86 18621736149
E-mail: susan.tong1@iner.ikea.com
Web: www.IKEA.com
Frozen Shrimp

20. Guangzhou Yiqun
International Trade Co. Ltd.
Tel: 020-61986813
Mob: 13428866662
E-mail: gzsuperh@163.com
Frozen shrimp

21. He Shengli
General Manager
Thailand Premier Food Co. Ltd.
Room 01, 4th Floor Electronic Business Incubator, Hajijxing Agricultural Products Trading Center, Phuket phang Nga Province, China
Mob: +86 13688341099
E-mail: 451206812@qq.com
Frozen Shrimp

मत्स्य

1. Guan Li Ming
General Manager
Jiangsu Tianyuan Group
Lianyungang Golden Guld Marine development Co. Ltd.
No.2, Lushan Road, Community, Economic Development Zone, Lianyungang City, Jiansu Province, China
Tel: 051882346956
Mob: 18652126667
E-mail: guanliming@sohu.com
Frozen Fish

2. Mamunur Rashid
Adviser
BD Seafood Limited
Taher Tower (8th Floor),
10 Gulshan North Avenue
Gulshan-2, Dhaka-1212,
Bangladesh
Tel: +88029849440-1
Mob: +8801842500119
E-mail: ikmmr16@gmail.com
Fish

3. Zhou Zhi Heng
Chairman
Tianjin Junxian International Trade Co. Ltd.
Tianjin Shipping Center Yi Hang International Building 10, 1202 C
Tel: +8617720022799
E-mail: tianjinjuxian@qq.com
Frozen Fish

4. Kong Xiangjin
Vice General Manager
Zhucheng Delicate Import and Export Co. Ltd.
No.5, North of Dongpo Street, Zhucheng City, Weifang City, Shandong Province, China- 262200
Tel: 0536-6326062
Mob: 138086361931
E-mail: kongxiangjin26@126.com
Web: www.zc-delicate.com
Frozen Ribbon Fish

5. Bai Xuliang
Vice General Manager
Zhu Cheng Wai Mao, China
Tel: 0536-6326208
Mob: +86 15966188366
E-mail: zcwmbxl@163.com
Web: www.zcwm.com
Ribbon Fish

6. Ruth Song
Tianming Xilaili (Beijing) International Import & Export Trade Co. Ltd.
Mob: +86-3552097900
E-mail: ruita711@hotmail.com
Ribbon fish

व्यापार पूछताछ

सिफेलोपोड

1. Molly Meng
Sales Manager
Unison Group (China) Ltd.
Chem Bldg 908#, Renmin Road
61#,Dalian, 116001, China
Mob: 8613591774806
E-mail: fish@china-seafood.com
Web: www.china-seafood.com
Frozen Octopus Whole,
Frozen Squid Whole

2. Cindy
Purchaser
Shanghai Sintun Industrial Co. Ltd.
Room 408, Building 10,
No. 990 Dalian Road,
Yangpu District, 200092, Shanghai
Tel: 021-55043922-11
Mob: 18616763165
E-mail: cindycai12@outlook.com
Web: www.sintun.cn
Frozen Cuttlefish

3. Chen Yi
Hairoad Food Zhejiang Co. Ltd.
66 Sanyird, Puxi Developing
Zone, Zhoushan, Zhejiang, China
Mob: +86 5803093087
E-mail: chenyi@hairoad.com
Web: www.hairoad.com
Frozen Octopus – All grades,
Rough Skin

4. Naoya Iwata
CGC Japan Co. Ltd.
Okubo, Shinjuku-ku, Tokyo 169-8531
Tel: 0332040187
E-mail: n-iwata@cgcjapan.co.jp
Web: www.cgcjapan.co.jp
Octopus (100/200) – 2000MT/year

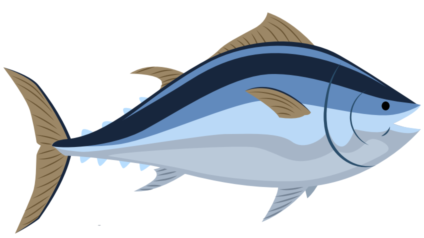

मिश्रित आइटम / अन्य

1. Andy
General Manager
Qingdao Center International
Logistics Co. Ltd.
China
Tel: 0532-86943286
E-mail:QINGDAOSHUICHAN@163.com
Web: www.centerking.com
Frozen Fish and Shrimp

2. Yin Jun
Engineer
HK Crossover International
Business Group Ltd. Co.
No. Second Alleyway 8 zaoti lane,
SanfangqiXiang, Gulou district,
Fuzhou
Tel: +68(0591)838-88857
Mob: +86137-2737-1972
E-mail: Vista@cross88857.com
Web: www.88857.com
Frozen Lobster, Fish and Shrimp

3. Frank Gao
General Manager
TC – International
Pilot Free Trade Zone, Shuangliu
District, Chengdu, 610200, China
Tel: +86 15181533999
E-mail: summerbearfish@outlook.com
Live Crab

4. John Lee
General Manager
Zhongnong Modernization
15th Floor, China Resources Building,
No.10 Shuangqing Road,
Chenghua District,
Chengdu, Sichuan Province, China
Tel: (028) 83138138
Mob: 15828309316
E-mail: 381500361@qq.com
Web: www.zhntz.com
Frozen Shrimp, Crab

5. Feng Yan
Beijing Spruce World
International Technology Co. Ltd.
China
Tel: 4006-135-135
Mob: 13381316565
E-mail: fengyan05@meicai.cn
Frozen Fish and Shrimp

6. Andy Yu
Executive Director
Guangzhou Yang Xing Aquatic
Products Co. Ltd.
3A14, 3rd Floor, Golden Square,
No. 11-13, Huang, Sha Road,
Liwan District, Guangzhou, China
Tel: 1382619552
Live Crab

7. Sui Xitao
Runda Trading Pte Ltd
587 Bukit Timah Rd, #02-35
Coronation Plaza, Singapore, 269707
Tel: (0065) 90257195
E-mail: suixitao888@163.com
Frozen Shrimp, Frozen Fish

8. Kim Jeong Eun
Assistant Manager
B.M. Trading Co. Ltd.
105, Wonyang- RO, SEO-GU,
Busan, Korea
Tel: 82-512317354
E-mail: silverkk9302@naver.com
Frozen Cuttlefish, Shrimp, Octopus

9. Dana Xie
Qingdao Oceanese Foods Co. Ltd.
Shangma Industrial Chengyang
District, Qingdao, China
Tel: +86 53287920209
E-mail: dana_tse@163.com
Web: www.oceanese.com
Live Mud Crab

10. Ren Zhifeng
General Manager
Dalian Yanming Enterprises Group
Pikou Town, Pulandian City,
Dalian, China
Tel: +86 41183400782,
+86 41183393588
Mob: 18941355588
E-mail: renzhifeng@yanming.com
Web: www.yanming.com
Live Crab

11. Sara Chen
International Procurement Manager
Wuxi Yuansheng Hongye International Trade Co. Ltd.
Room 1002, Zhihui 568 Building, No.990, Jianghai West Rd, Liangxi District,
Wuxi City, Jiangsu Province, China
Tel: +86 51081819255
Mob: +86 13584111412
E-mail: lyuba@yuanman-china.com
Web: www.yuanman-china.com
Ribbon fish, PD & PUD Shrimp

12. Qin Xuewen
General Manager
Fountain Harvest International Trading Ltd.
China
Mob: +86 13828834517
E-mail: 295054122@qq.com
Soft Shell Crab

13. Eric Zheng
President
PG Atlantic Export Ltd.
1 Arthur Lismer Court, Bedford, NS B4A 4B4, China
Mob: 9024888124
E-mail: eric.zheng@pgatlantic.com
Baigai

14. Johnson Yang
Business Manager
Jiangsu Xingshang International Logistics Co. Ltd.
Rm No. 1906, Block C, Sunshine International Plaza, Haibin Avenue, Lianyungang,
Jiangsu Province, China
Mob: 0086-18968384891
E-mail: 1661233463@qq.com
Small Frozen Octopus, Ribbon Fish

15. He Cheng Yi
Shnghai Hongxing Fishery Co. Ltd.
Mob: 3554314436
E-mail: hwc_he@126.com
Frozen Silver Croaker, Frozen Cuttlefish

16. Mathew Tsang
Manager
An Fa Food Co. Ltd.
Unit 1501 15/F, One Midtown 11 Hoi Shing Road, Tsuen Wan, NT
Hong Kong
Tel: 852 2559 3961
Mob: 852 9033 2682
E-mail: matthew@anseng.com
Web: www.anseng.com.hk
Frozen Fish, Squid, Ribbon Fish, Yellow Croaker

17. Alice Wang
Purchasing Manager
DBA Tian Tian Food Service
2204S, Yuexiu City Plaza,
437 Dongfengzhong Road,
Guangzhou, China
Tel: 0086-20-83544129
Mob: 0086-18680284558
E-mail: alice1321@163.com
Imitation Crab

18. Li Chao
Huncham Jinjiaowan International Trade Co. Ltd.
Tel: 04337617222
Mob: 18844378777
E-mail: 18743390089@163.com, jinjiaowan8888@163.com
Frozen Fish, Crab

19. Steve Cai
General Manager
Qinigdao Joylong Imp.& Exp. Co. Ltd.
Room 2507, Building 3#,
130# Jiushui East Road,
Licang District, Qingdao, China
Tel: 0086-18663903289
E-mail: import@joylongfood.com, 416566990@qq.com
Frozen Surimi

20. Du Mim
General Manager
Sichuan Mei yan Ocean International Trade Co. Ltd.
No.2203, Building B. Waltz Square,
Wuhou District, Chengdu,
Sichuan, China
Tel: 02886696260
Mob: 15828112033
E-mail: 511045778@qq.com
Green Crab

21. SongWu Zheng
Fujian Dongshan Chenlong Aquatic Products Ltd.
Wuyan Management Area, Changshan Overseas Chinese Economic Development Zone,
Zhangzhou
Tel: +86 596 6012896
Mob: +86 13859279197
E-mail: dssongwu@yeah.net
Crab, Octopus, Squid, Shrimp

22. Steven Hu
International Buyer
De Long Company
Flat A, 13/F Kar Man Court,
1-7 Kin Wah Street,
North Point, Hong Kong
Tel: 852 25782159
Mob: +86 13928899821
E-mail: stevenhgh@163.com
Ribbon Fish, Vannamei Shrimp, Cuttlefish, Squid, Octopus

23. Weldon Yu
Manager of International Trading Dept.
Qingdao Haoyuan Group Co. Ltd.
Qiianfo Hill, Hongdao, Chengyang District, Qingdao, China
Mob: +8653287937318
E-mail: seahear01@163.com
Web: www.haoyuanfood.com
Frozen Vannamei, Frozen Octopus

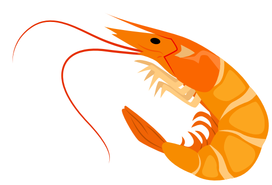

24. Mai Hai Jei
Deputy General Manager
GuangDong QiXAng Food Co. Ltd.
Tel: 02081654630
Mob: +86 15820256441
E-mail: 6195259111@qq.com
Surimi

25. Scofield Du
Service Manager
Shandong Ocean Pearl International Logistics Co. Ltd.
Rooom 1268, 12th Floor,
Shandong Academy of Science Building, 37 Miao Ling Road,
Qingdao- 266100
Mob: +86 18661622518
E-mail: scofielddu@163.com

Tuna, Frozen Vannamei

26. Tianjin Kuanda Aquatic Food Co. Ltd.
No. 25 Huaming Avenue,
Huaming High-tech zone,
Dongli district, Tianjin
Tel: 022-58666675/76/77
E-mail: kuandashuichan@vip.tom.com
Web: www.tjkuanda.cn
Shrimp, Crab, Squid, Octopus

Disclaimer: The information presented in this section is for general information purposes only. Although every attempt has been made to assure accuracy, we assume no responsibility for errors or omissions. MPEDA or publishers of this Newsletter are no way responsible to trade disputes, if any, arise of out the information given in this section.

PRAWN FEED
VANNAMEI FEED
BLACK TIGER SHRIMP FEED
BLACK TIGER SHRIMP FEED
AVANTI
FEEDS LIMITED
In the business of quality Prawn feed and Prawn Exports
An ISO 9001: 2008 Certified Company
Aiding sustainability & reliability to Aquaculture
Shrimp Hatchery
Feed Plant - Gujarat
Prawn Feed & Fish Feed
Prawn Processing & Exports
INNOVATIVE - SCIENTIFICALLY FORMULATED - PROVEN
• GREATER APPETITE • HEALTHY & FASTER GROWTH
• LOW FCR WITH HIGHER RETURNS • FRIENDLY WATER QUALITY
AVANT AQUA HEALTH CARE PRODUCTS
AVANTI A.H.C.P. RANGE
Thai Union
IN COLLABORATION WITH:
THAI UNION FEEDMILL CO., LTD., Thailand.
Chelated Trace Mineral Supplement
Marine Mineral
Avant D-Flow
Water Quality Improver
Avant ProW
Soil & Water Probiotic
Avant Bact
Gut Probiotic
Avant AmmoniAbsorb
Ammonia Absorber
Avant Life
Oxy-Generator
Avant Immupak
Immunity Enhancer
Avant Catcher
Corporate Office: Avanti Feeds Limited
G-2, Concord Apartments 6-3-658, Somajiguda, Hyderabad - 500 082, India.
Ph: 040-2331 0260 / 61 Fax: 040-2331 1604. Web: www.avantifeeds.com
Regd. Office: Avanti Feeds Limited.
H.No.: 3, Plot No.: 3, Baymount, Rushikonda, Visakhapatnam - 530 045, Andhra Pradesh.

No. KERENG/2013/61656